

बांध और नदियों के अलावा नलकूप सिंचाई के लिए नई सुविधा

अब एमपी में दस साल के ठेके पर दिए जाएंगे सरकारी नलकूप

गणेश पाण्डेय, भोपाल

अभी तक प्रदेश में बांध-नहरों, नदियों और बावड़ियों से खेतों में सिंचाई की जाती रही है। पहली बार सिंचाई के लिए नलकूप का उपयोग किया जाएगा। यह नई व्यवस्था पायलट प्रोजेक्ट के तहत नर्मदापुरम से शुरुआत होने जा रही है। इसके लिए सरकार नलकूप लीज पर देने जा रही है। लीज पर दिए जाने वाले नलकूप से सरकार को हर वर्ष 1500 से 3000 हजार रुपए की राशि मिलेगी।

मध्यप्रदेश सरकार प्रदेश में करीब 40 लाख हेक्टेयर में किसानों को सिंचाई की सुविधा मुहैया कराती है। किसानों को खेती करने सिंचाई के लिए बांध-नहर, नदियों और बावड़ियों तथा कुओं से पानी मिलता है। साथ में पंपर प्रोजेक्ट, उद्योगों को भी पानी मुहैया कराने के एवज में सरकार जल कर की राशि वसूलती है। अभी तक सरकारी नलकूप के

पानी का उपयोग पेयजल के लिए किया जाता रहा है, लेकिन अब 7.5 एचपी पंप से लेकर 18 एचपी पंप लगाने के लिए नलकूप भी दिए जाएंगे। इसके लिए नलकूप का उपयोग करने वाले किसानों, व्यावसायिक संस्थानों को नलकूप लीज पर लेने के लिए प्रतिभूति के रूप में 20 साल के लिए 7500 रुपए से लेकर 20 हजार रुपए तक की राशि जमा करनी होगी।

यह राशि लीज अवधि समाप्त होने के बाद वापस कर दी जाएगी। सरकारी नलकूप लीज पर लेने के लिए बोली लगानी होगी और इसका प्रपत्र 100 रुपए जमा करने पर उपलब्ध हो सकेगा। यह काम प्रदेश में जल संसाधन विभाग द्वारा प्रारंभ किया जा रहा है। यानी सरकार अब हर प्रकार के टैंक्स वसूलने की तैयारी में जुट गई है। वैसे जल कर के रूप में सरकार को करीब 400 करोड़ से ज्यादा की इनकम होती है।



जमीन, भवन ही लीज पर देने का प्रावधान

मग्न में उद्योगों को 99 साल के लिए भूमि लीज पर दिए जाने का प्रावधान है। पहले यह 30 साल के लिए लागू था। बाद में सरकार ने इसकी अवधि बढ़ा दी। फिर सरकारी भवन संपत्तियों को भी लीज पर दिए जाने लगा। अब सरकार शासकीय नलकूप को लीज पर देने जा रही है। खराब माली हालत के चलते सरकार यह कमद उठाने जा रही है। सरकार किसानों या किराए पर लेने वाले अन्य लोगों की राशि तो वापस करेगी, फिलहाल जमा कर सरकार अपनी माली हालत सुधारना चाहती है। माना जा रहा है कि इसी के चलते यह फैसला लिया गया है।

लीज पर देने

टेंडर जारी किया

जल संसाधन विभाग ने नलकूप दस साल के लिए लीज पर देने टेंडर जारी कर दिया है। नर्मदापुरम के ग्राम गुजरखेड़ी, रेसलपुर, कन्हवार, गड़ाघाट, खमरिया, बकाज, महुआखेड़ा, खपरिया किशोर, महाराजागंज, कोडपरडई, हनोतिया, बांसखेड़ा, जोगीवाड़ा, जुनहेटा, खपरखेड़ा, झालौन-2, पचलवारवा, घपाड़ा, कपूरी, चंदौन, पांजरा, मालनवाड़ा, रहटवाड़ा, राईखेड़ी, पंजरा, शोभापुर, मेदाखेड़ा, रामपुर, बुधनी, हथवास, दरिंगा, झालौन, माछा, काजलखेड़ी सहित 51 गांवों के सरकारी नलकूप लीज पर देने के लिए टेंडर जारी किया है। निविदा फार्म 14 अक्टूबर तक उपलब्ध रहेगा और 15 अक्टूबर को निविदा डाली जा सकेगी। यह टेंडर जल संसाधन विभाग के वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

दो साल नौकरी से गायब रहे आईएफएस वीएस होगी दंडित

पब्लिक वाणी, भोपाल

मध्यप्रदेश कैडर के 1994 आइएफएस अफसर वीएस होगी 13 जनवरी 2011 से 26 जनवरी 2013 तक कर्तव्यस्थल से गायब थे। राज्य सरकार ने होगी की सभी वेतन वृद्धि स्थगित कर उन्हें दंडित किया है। होगी के बैच के सभी अधिकारी एपीसीसीएफ के पद पर प्रमोट हो चुके हैं। होगी अभी भी डीएफओ हैं। राज्य शासन उनकी बर्खास्तगी का प्रस्ताव भी दो साल भेज चुकी थी, जिसे केंद्रीय कार्मिक विभाग ने अमान्य कर दिया।

होगी 3 अगस्त 2009 से 10 फरवरी 2011 तक भिण्ड सामान्य वनमंडल के डीएफओ थे। उन्हें 28 दिसम्बर 2010 को अनुदेशक रेंजर्स कॉलेज बालाघाट पदस्थ किया गया था, लेकिन उन्होंने रिलीव होने के बाद भी ज्वाइनिंग नहीं दी। उन्हें 21 फरवरी 2012 को इस अनियमितता पर आरोप-पत्र जारी किया गया। इसका उन्होंने कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया। 20 मई 2019 को उनके खिलाफ विभागीय जांच बैठ दी गई। 22 सितम्बर 2022 को विभागीय जांच की रिपोर्ट मिली, जिसमें उन्हें 754 दिनों तक कर्तव्य से अनुपस्थित होने का दोषी पाया गया। 22 अक्टूबर 2022 को होगी को बचाव उत्तर देने का नोटिस

दिया गया, जिस पर उन्होंने 24 नवम्बर 2020 को बचाव के लिए जवाब दिया। उनका जवाब अमान्य किया गया और उन्हें अनुपस्थिति की अवधि को कार्य दिवस में नहीं मानते हुये उनकी एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने के दण्ड से दण्डित किया गया। राज्य शासन ने होगी प्रकरण संघ लोक सेवा आयोग को भेजा। आयोग ने भी 4 मार्च 2024 को होगी को दोषी पाते हुये उन्हें सभी वेतनवृद्धियों से वांचित करने का दंड दिया है। इस दंड के बारे में उत्तर देने के लिए होगी को पत्र भेजा गया, लेकिन उन्होंने यह पत्र प्राप्त नहीं किया। इस पर उनके कार्यालयीन कक्ष की टेबल पर इसे चप्पा किया गया।

इसके बाद भी उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। इस पर अब राज्य शासन ने एकपक्षीय निर्णय लेकर उन्हें इस टिप्पणी के साथ दंडित किया गया कि 30 अक्टूबर 2024 तक होगी को वेतन के समयमान में निचले स्तर के दो चरणों तक की कटौती की शास्ति और आगे इस निर्देश के साथ अधिरोपित की जाये कि वह कटौती की अवधि के दौरान वेतन वृद्धियां अर्जित नहीं करेंगे। इस अवधि की समाप्ति पर, इस कटौती का प्रभाव उनकी भावी वेतनवृद्धि के स्थगित करने पर पड़ेगा।

चार दिन के शुभ मुहूर्त में हुईं 1576 रजिस्ट्री

रजिस्ट्री कार्यालयों में उमड़ी भीड़, राजधानी में हुए 1000 करोड़ के सौदे, अष्टमी-नवमी पर भी टूट सकता है रिकार्ड

पब्लिक वाणी, भोपाल

नवरात्र के शुभ मुहूर्त पर पंजीयन विभाग में प्रापटी की रजिस्ट्री कराने वालों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। रोजाना रिकार्ड खरीद-फरोख्त दर्ज की जा रही है। पिछले चार दिनों की बात करें तो करीब 1576 ई-रजिस्ट्री दर्ज की गई हैं। इस दौरान लगभग एक हजार करोड़ की प्रापटी की खरीदी-बिक्री का अनुमान लगाया जा रहा है। नवरात्र के आखिरी दिनों में भी रिकार्ड रजिस्ट्री होने की उम्मीद जताई जा रही है। मंगलवार को सबसे अधिक 550 रजिस्ट्री दर्ज की गई हैं।

राजधानी में आईएसबीटी और परी बाजार दफ्तर में नवरात्र पर खरीदारों की भीड़ को देखते हुए सर्विस प्रोवाइडरों ने पहले क्रेडिट लिमिट ले ली है। जिससे रजिस्ट्री कराने वालों को दिक्कत नहीं हो।



आईएसबीटी में रजिस्ट्री कराने लोगों की उमड़ी भीड़।

वरिष्ठ जिला पंजीयक मुकेश श्रीवास्तव का कहना है कि ल्योहार को देखते हुए पहले ही ई-रजिस्ट्री के स्लॉट बढ़ा लिए गए थे। प्रति सब रजिस्ट्रार 65 स्लॉट खोल रखे हैं। अगर कोई अर्जेंट में रजिस्ट्री कराने आता है, तो वो भी बिना परेशानी के स्लॉट बुक कराने के बाद रजिस्ट्री करा सकता है। जिले

में 13 सब रजिस्ट्रार हैं और 12 सब रजिस्ट्रार शहरी क्षेत्र के लिए हैं और एक सब रजिस्ट्रार बैरसिया में बैठते हैं। नवरात्रि में बैरसिया में भी खूब रजिस्ट्री हो रही है। वहां जमीनों की रजिस्ट्री ज्यादा हुई हैं। शहरी क्षेत्र की बात करें तो यहां स्लॉट और प्लैट में लोग ज्यादा निवेश कर रहे हैं।

तीन सब रजिस्ट्रार का काम एक के जिम्मे

गोविंदपुरा क्षेत्र में प्रापटी के खरीदारों को रजिस्ट्री कराने में घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। पिपलानी से रजिस्ट्री कराने आए नवीन सिंह ने बताया कि दोपहर में दो बजे का स्लॉट बुक था। विक्रेता पक्ष के लोग भी आए गए थे, लेकिन सब रजिस्ट्रारों की कमी के चलते 10 मिनट में होने वाली रजिस्ट्री के लिए एक घंटा लोगों को परेशान होना पड़ा। शहर आईएसबीटी स्थित गोविंदपुरा पंजीयन दफ्तर में तीन रजिस्ट्रार का काम एक सब रजिस्ट्रार को करना पड़ रहा है। यहां पदस्थ जादव का रिटायरमेंट होने और कुरेशी का दूसरी जगह ट्रांसफर होने से यहां सब रजिस्ट्रार शिथ्य कावरेती को तीनों का काम करना पड़ रहा है। ऐसे में इस सर्कल में रजिस्ट्री की तादाद बढ़ गई है, जिससे प्रापटी के खरीदारों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है।

सुबह से लगी पंजीयन कार्यालयों में भीड़

बुधवार को सप्तमी के शुभ मुहूर्त में रजिस्ट्री कराने वालों ने सुबह से ही पंजीयन कार्यालयों में आमद देनी शुरू कर दी थी। दोपहर 12 बजे तक परी बाजार, आईएसबीटी में पैर रखने की भी जगह नहीं थी। बताया जा रहा है कि आज रजिस्ट्री का आंकड़ा छह सौ के पार जा सकता है। नवरात्रि के समय जिस तरह से भीड़ उमड़ रही है, उससे साफ है कि आने वाले दो-तीन दिनों तक रजिस्ट्री कराने का यह सिलसिला जारी रह सकता है।



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केंद्रीय कृषि मंत्री व पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने नवरात्रि के पावन पर्व पर सीहोर जिले के प्रसिद्ध सलकनपुर मंदिर पहुंच कर दर्शन-पूजन कर लोगों के जीवन में सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री कल करेंगे संपदा 2.0 की शुरुआत

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग के संपदा 2.0 सॉफ्टवेयर का शुभारंभ 10 अक्टूबर 2024 को करेंगे। कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में दोपहर एक बजे शुभारंभ होगा। वित्त एवं वाणिज्यिक कर मंत्री जगदीश देवड़ा ने बताया कि संपत्ति पंजीकरण प्रक्रिया को डिजिटल बनाने की दिशा में राज्य शासन का यह एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रदेश में रजिस्ट्री के नए नियम लागू किए गए हैं।

इस उन्नत सॉफ्टवेयर का पायलेट प्रोजेक्ट का क्रियान्वयन गुना, हरदा, डिंडोरी और रतलाम जिलों में सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। अब दस अक्टूबर को इसे प्रदेश के सभी 55 जिलों में लागू किया जाएगा। संपदा 2.0 से ई-केवाइसी से पहचान होगी। इसकी विशेषताओं में संपत्ति की जीआईएस मैपिंग, बायोमैट्रिक पहचान और दस्तावेजों का स्वतः प्ररूपण शामिल है।

एक करोड़ का ठोगा वीमा

पुलिस कर्मचारियों-अधिकारियों पर मोहन सरकार मेहरबान

पब्लिक वाणी, भोपाल

मध्यप्रदेश की डा. मोहन यादव सरकार प्रदेश के पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों पर मेहरबान नजर आ रही है। इसके लिए मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय ने पुलिस कर्मचारी अधिकारियों के गुप टर्म इश्योरेंस का एमओयू साइन किया है। जिसका लाभ प्रदेश के साढ़े 7 लाख पुलिसकर्मियों को नए साल से मिलना शुरू हो जाएगा।

मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय ने पुलिस कर्मचारी अधिकारियों के गुप टर्म इश्योरेंस का एमओयू साइन किया है। और इसका लाभ नए साल से मिलना शुरू हो जाएगा। ये एमओयू तीन साल के लिए किया गया है इसमें पुलिस वेतन पैकेज में सभी का बीमा कवर होगा। बताया गया है कि अब सामान्य मृत्यु होने पर 10 लाख रुपए, दुर्घटना मृत्यु होने पर 1 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। बीमा की यह राशि पुलिस अधिकारी कर्मचारी की असमय मौत होने पर नॉमिनी को दी जाएगी। इसी तरह दुर्घटना में स्थाई पूर्ण दिव्यांगता होने पर एक करोड़ रुपए और आंशिक दिव्यांगता होने पर 80 लाख तक का बीमा कवर का लाभ दिया जाएगा। इतना ही नहीं दुर्घटना मृत्यु पर, कन्या विवाह पर, एक कन्या के लिए 5 लाख रुपए की सहायता मिलेगी। बाल शिक्षा का भी लाभ दिया जाएगा। बेटे के लिए 8 लाख रुपए की मदद मिलेगी और बेटे की शिक्षा के लिए 10 लाख रुपए की मदद दी जाएगी। यह बीमा कवर के अंतर्गत होगा।



ने कहा कि सारे विभागीय काम टाइम लिमिट में हो। सभी प्रक्रिया पारदर्शी हो। उन्होंने बैठक में स्वच्छता पखवाड़ा में विभाग द्वारा किये गये कार्यों का प्रेजेन्टेशन भी देखा। साथ में यह निर्देश दिये कि अच्छे काम करने वाले को अवार्ड/रिवार्ड

समितियों का निरीक्षण करें

सारंग ने कहा कि अधिकारी समय-समय पर समितियों का निरीक्षण करें। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी समितियों का निरीक्षण करेंगे। सोसायटी के माध्यम से किसान जागरूक हो, इसके लिये सोसायटी के पास जानकारी उपलब्ध हो। सारंग ने कहा कि उपार्जन सिस्टम का रिव्यू करें और जरूरत पड़ने पर सिस्टम को री-डिजाइन करें। बैठक में बारदाना और वित्तीय व्यवस्था पर भी चर्चा की गई। राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम के क्षेत्रीय निर्देशक द्वारा बताया गया कि प्रदेश में भारत सरकार से प्राप्त लक्ष्य अनुसार 29 जिलों में 23 बी-पेवस के माध्यम से 23 नये एफपीओ गठित हो चुके हैं। जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों को सीबीबीओ बनाया गया है। बैठक में विपणन संघ के प्रबंध संचालक आलोक कुमार सिंह, पंजीयक मनोज कुमार सरियाय, अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक मनोज गुप्ता, सहकारी संघ के प्रबंध संचालक ऋतुराज रंजन, उप सचिव मनोज सिन्हा और शौला दाहिमा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

नवाचार

झरने से आ रही बसाली में खुशहाली

टूरिस्ट गाइड बनेंगी आजीविका मिशन की दीदियां

पब्लिक वाणी, भोपाल

बसाली... प्रकृति की सुख्य वादियों के बीच बसा बुरहानपुर जिले का एक छोट सा ठेठ गांव है। आम भारतीय गांवों की तरह इस गांव के लोग भी खेती किसानी ही करते हैं। यू तो खेती-बाड़ी से ही बसाली में रहने वाले लोग अपना गुजर-बसर करते हैं।

आजकल एक झरने के कारण बसाली में खुशहाली आने लगी है। इस गांव के पास एक अत्यंत मनोरम प्राकृतिक झरना है, जो लोगों को सहज ही अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। लोग इस बरसाली झरने को 'बसाली झरना' के नाम से जानते हैं। अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य एवं बारिश से फैली हरियाली के बीच यह झरना इतना मनमोहक है कि पर्यटक खुद को यहां आने से रोक नहीं पा रहे हैं। इसलिए सरकार ने तय किया गया है कि यहां आजीविका मिशन में काम करने वाली दीदियां को टूरिस्ट गाइड का प्रशिक्षण दिया जाए और रोजगार से जोड़ा जाए। देश के सभी

जनजातीय आबादी बहुल गांवों के विकास के लिए केंद्र सरकार द्वारा 'प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना' चलाई जा रही है। इस योजना से बुरहानपुर जिले में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भी कई प्रकार के विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इससे ग्रामीणों की सुविधाओं में इजाफा तो हो ही रहा है, साथ में पर्यटन को भी प्रोत्साहन मिल रहा है। बसाली गांव के इस झरने तक लोगों की सहजता से पहुंच बढ़ाने एवं पर्यटन विकास के लिए बुरहानपुर ब्लॉक ऑफिस द्वारा प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना से एक ठोस कार्ययोजना तैयार की गई है। इसमें विकास कार्यों के लिए 60 लाख रुपए मंजूर किए गए हैं। इस राशि से बसाली झरने के पास पर्यटकों के रुकने के लिए चार रहवासी कोटिज बनाए जा रहे हैं। झरने तक पहुंच मार्ग की मरम्मत की जा रही है। यहां आने वाले पर्यटकों के खान-पान की व्यवस्था के लिए एक कैटीन तैयार की जा रही है।



जंगल और झरने के कारण बढ़ रही पर्यटकों की तादाद

पर्यटकों के मनोरंजन के लिए बसाली झरने के पास पहाड़ी रास्तों में ट्रेकिंग रूट तैयार करने की भी योजना है। इस ट्रेकिंग रूट से पर्यटक जंगल की सैर भी कर सकेंगे, जो उन्हें प्रकृति के और ज्यादा करीब ले जाएगी। इन सभी प्रयासों से यह झरना एक आकर्षक पिकनिक स्पॉट के रूप में अपनी पहचान बनाएगा। आम दिनों में बहाली झरने की खूबसूरती देखने 60-70 लोग आते हैं, लेकिन वीक-एंड (सप्ताह के अंत) यानी शनिवार-रविवार को यहां पर पांच सौ अधिक पर्यटक नियमित रूप से यहां पहुंच रहे हैं।

गांव के लोगों की आय का जरिया बनेगा झरना

बसाली झरने के पास तैयार की जा रही कैटीन स्व-सहायता समूह की महिलाएं चलाएंगी। इससे उन्हें रोजगार मिलेगा, साथ वे आत्मनिर्भर भी बनेंगी। बुरहानपुर जिले में अन्य राज्यों व जिलों से आने वाले बाहरी पर्यटकों की सुविधा के लिए स्व-सहायता समूह की महिलाओं को 'टूरिस्ट गाइड' के रूप में तैयार करने की तैयारी है। बसाली के स्व-सहायता समूह की महिलाओं को ग्रामीण आजीविका मिशन से टूरिस्ट गाइड का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद इन्हें परिचय-पत्र भी दिए जाएंगे, जो इन्हें प्रोफेशनल टूरिस्ट गाइड की पहचान दिलाएगा। यह काम इसी साल के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। बसाली का झरना जल्दी गांव के लोगों की आय का बड़ा जरिया बनने वाला है।

बगरोदा की कई फैक्ट्रियों में चल रहा काला कारोबार, इसके लिए आला अफसर जिम्मेदार

डिस्पैच के साथ दिए गए पुलिस के नोटिस से मच गया था हड़कंप, अफसरों ने कहा-फैक्ट्री वालों को क्यों कर रहे परेशान

पब्लिक वाणी, भोपाल

भोपाल के बगरोदा औद्योगिक क्षेत्र की कई फैक्ट्रियों में काला कारोबार चल रहा है। फैक्ट्री संचालकों का ढर्रा सुधारने के लिए तकरीबन तीन साल पहले थाना पुलिस ने फैक्ट्री संचालकों को नोटिस देकर जानकारी मांगी थी। उसके बाद से फैक्ट्री संचालकों में हड़कंप मच गया था। नोटिस के बाद पुलिस के आला अफसरों ने तत्कालीन थाना प्रभारी भान सिंह प्रजापति को फोन कर कहा था कि फैक्ट्री वालों को क्यों परेशान कर रहे हो। उन्हें अपना काम करने दीजिए और आप अपना काम करिए। उसके बाद से पुलिस वालों ने फैक्ट्री की तरह मुड़कर नहीं देखा था। नए थाना प्रभारी के साथ भी शायद यही हुआ होगा। इसीलिए आला अफसर अब मौजूदा थाना प्रभारी बृजेंद्र निगम को बचाने में जुट गए हैं।

भोपाल के कटारा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित बगरोदा की जिस फैक्ट्री में 1800 करोड़ रुपए से ज्यादा की एमडी ड्रम्स पकड़ी गई है, उसके पास लाइसेंस फर्नीचर बनाने का था। फर्नीचर बनाने का लाइसेंस लेने के बाद कंपनी के संचालकों ने उसे किराए पर दे दिया और उसमें ड्रम्स का कारोबार किया जाने लगा था।

इस तरह का कारोबार बगरोदा की कई अन्य फैक्ट्रियों में भी हो रहा है। सूत्र बताते हैं कि पुलिस के आल अफसर सही तरीके से जांच नहीं करने देते हैं। अगर ढंग से जांच की जाए, तो दो दर्जन से ज्यादा फैक्ट्रियां निकलेंगी, जिनमें दो नंबर का कारोबार हो रहा है। उनके पास लाइसेंस किसी दूसरी सामग्री बनाने का है और उसमें

ना भोपाल पुलिस जाती और ना रायसेन पुलिस

बगरोदा का एक हिस्सा भोपाल जिले में आता है, जबकि दूसरा छोर रायसेन जिले की सीमा को छूता है। बगरोदा की सारी फैक्ट्रियां भोपाल जिले में हैं। उस नोटिस के बाद आला अफसरों की जो फटकार मिली थी, उसके बाद भोपाल का अमला तो जाता नहीं है। कभी-कभी रायसेन पुलिस भी अपनी सीमा में चक्कर लगा लेती थी, उसने फैक्ट्रियों की तरफ देखना बंद कर दिया था। इससे पता चलता है कि फैक्ट्री मालिकों और आला अफसरों के बीच किस तरह का गठजोड़ हो चुका था।

भेल के रिटायर अफसर को थी ड्रम्स बनाने की जानकारी

एमडी ड्रम्स बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़ होने के बाद इसके तार भेल के रिटायर्ड अफसर से जुड़ गए हैं। दरअसल यह फैक्ट्री भेल के रिटायर्ड अफसर एस्के सिंह को इस मामले में गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने साठ हजार रुपए प्रतिमाह की दर पर फैक्ट्री को किराए पर दिया था। पुलिस सूत्रों की माने तो ड्रम्स बनाने की जानकारी भेल के रिटायर्ड अफसर को भी थी। जानकारी होने के बाद अफसर तथ्यों को छुपाया था, इसीलिए इस मामले में उनसे पूछताछ की जा रही है।

निर्माण किसी दूसरी सामग्री का किया जा रहा है। बंगरोदा इलाके में कुल 470 फैक्ट्रियां स्वीकृत हैं। छोटी-बड़ी मिलाकर तकरीबन 300 से ज्यादा फैक्ट्रियां अभी संचालित हो रही हैं। कटारा हिल्स थाने में जब भान सिंह प्रजापति थाना प्रभारी थे, तब उन्हें यह जानकारी मिली थी कि फैक्ट्रियों में काला कारोबार चल रहा है। अगर इसे नहीं रोका गया, तो आगे चलकर बड़ा भंडाफोड़ हो जाएगा। यह जानकारी मिलने के बाद थाना प्रभारी प्रजापति ने सभी फैक्ट्री संचालकों को नोटिस जारी किया था। नोटिस के जरिए यह पूछा गया था कि



आपकी फैक्ट्री क्या बनाया (कौन सी सामग्री का निर्माण किया) जाता है। फैक्ट्री मालिक और मैनेजर कौन हैं। कितने वर्कर काम करते हैं। क्या उनका चरित्र सत्यापन किया गया है। अगर किया गया है, तो उनके आधार कार्ड सहित चरित्र सत्यापन की कॉपी थाने को उपब्ध कराई जाए। थाना प्रभारी के इस नोटिस के बाद से फैक्ट्री संचालकों में हड़कंप मच गया था। पुलिस सूत्रों की माने तो फैक्ट्री संचालक अपने बारे में जानकारी देना नहीं चाहते थे। इसलिए उन्होंने थाना स्तर की बजाय आला अफसरों के दर पर माथा टेकना शुरू कर

दिया था। आला अफसरों ने फैक्ट्री संचालकों से मिलने के बाद थाना स्तर पर बाकायदा फोन कर कहा था कि फैक्ट्री वालों को परेशान मत करो। उन्हें अपना काम कर दीजिए और आप अपना काम करिए। आला अफसरों के फोन के मैदानी पुलिस अफसरों के हाथ बंध गए थे। उसके बाद दो पुलिस वालों ने फैक्ट्रियों की तरफ जाना बंद कर दिया था। बताते हैं कि बीट प्रभारी तक को इसकी इजाजत नहीं थी कि वे फैक्ट्रियों की तरफ जाकर देख सकें। शायद मौजूदा थाना प्रभारी बृजेंद्र निगम का साथ भी आला अफसरों ने इसी तरह का

व्यवहार किया होगा। अगर ऐसा नहीं होता, तो अब तक थाना प्रभारी के खिलाफ कार्रवाई कर दी गई होती। वजह साफ है कि थाना क्षेत्र में अगर कुछ होता और पुलिस को इसकी जानकारी नहीं हो, सामान्य तौर पर ऐसा होता नहीं है। फैक्ट्री संचालकों को दिए गए नोटिस के समय और ड्रम्स पकड़े जाने के बाद अब तक जिस तरह का रवैया आला अफसरों का रहा है, उससे साफ है कि उंगली उनकी तरफ उठ रही है। शायद इसीलिए मैदानी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई कर आवाज को अपनी तरफ उठाने नहीं देना चाहते हैं।

बरामद रॉ मटेरियल से बनाया जा सकता था 300 करोड़ का ड्रम्स

गोदाम से मिली यह सामग्री

- 1600 लीटर एसीटोन
- 1000 लीटर टोलुइन
- 100 लीटर एक्सीएल
- 200 किग्रा सोडियम काबोनेट पाउडर
- 240 लीटर सॉल्वेंट
- 40 किग्रा सोडियम कार्बो
- 42 बॉटल ब्रोमिन
- 20 लीटर द्रव्य
- 50 किग्रा मैथिलामिन हाइड्रोक्लोराइड
- 50 किग्रा लाइट सोडा ऐश
- 10 किग्रा क्रिस्टल दानेदार पाउडर
- 10 लीटर अन्य द्रव्य

उसे गिरफ्तार नहीं कर पाई है। गोदाम संचालक विष्णु पाटीदार के खिलाफ भी मामला किया गया है।

पूरे औद्योगिक क्षेत्र की होगी जांच: बगरोदा के इंडस्ट्रियल एसोसिएशन ने पुलिस को सहयोग का आश्वासन दिया है। यहां कौन-क्या काम कर रहे हैं, कौन से शेड बंद हैं, उसमें क्या हो रहा है। यह सब बताने की उन्होंने खुद से पहल की है। मैं सबसे अपील करना चाहूंगा कि अपने किराएदार सोच-समझ कर रखें। अगर उनकी गतिविधियां संधिगत लगे तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। साथ ही अगर खुद भी नजर रखे आपको प्रॉपर्टी पर क्या हो रहा है।

फसलों के सर्वे के लिए तहसीलदार से मिले

पब्लिक वाणी, भोपाल। फंदा ब्लॉक भोपाल के जनपद अध्यक्ष प्रमोद राजपूत के नेतृत्व में 25 जनपद सदस्यों ने अति वर्षा में खराब फसलों का सर्वे कराने को लेकर हजुर एसडीएम के नाम तहसीलदार अनुराग त्रिपाठी को ज्ञापन सौंपा। जनपद अध्यक्ष प्रमोद राजपूत ने बताया कि पिछले दिनों हुई भारी बारिश के कारण फंदा ब्लॉक के किसानों की सोयाबीन, धान, मक्का तथा अन्य फसले पूरी तरह चौपट हो गई हैं। अन्नदाता फसले खराब होने से दुखी है। बारिश से फसलों को हुए नुकसान की भरपाई करने के लिए जल्द से जल्द फसलों का सर्वे



कराया जाए, जिससे किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ मिल सके। राजपूत ने बताया कि किसान सोयाबीन की कटाई कर रहे हैं, जिसमें 90 फीसदी फसले

खराब निकल रही है। इस अवसर पर जनपद सदस्य हेमा विनोद पाटीदार, मालखान सिंह, सरपंच रतन सिंह एवं फंदा ब्लॉक के 24 जनपद सदस्य उपस्थित थे।

भेल कर्मचारियों ने मांगा बोनस

भोपाल। मंगलवार को एन्यू यूनियन के महासचिव एवं निपटू के प्रदेशाध्यक्ष रामनारायण गिरी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल बीएचईएल भोपाल के प्रशासनिक भवन में जीएम एचआर बीके सिंह एवं एजीएम एचआर आरिफ सिद्दीकी से मिला एवं दीपावली से पूर्व 50000 पीपी/एसआईपी बोनस एवं अक्टूबर माह के वेतन का भुगतान करने के लिए बीएचईएल के निदेशक मानव संसाधन सौपण कृष्ण कुमार ठाकुर को ज्ञापन सौंपा गया। इस माह के अंत में दीपावली का त्यौहार मनाया जा रहा है। दीपावली भारत वर्ष के सबसे बड़े पर्व के रूप में ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण विश्व में बड़े ही हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया जाता है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में बीएचईएल ने 282 करोड़ से अधिक का लाभ अर्जित किया था।

सचिन दमाडे सुसाइड कांड: विवाहों में फंसा कांस्टेबल

घर पर लगी डीवीआर गायब जांच अधिकारी का तबादला

पब्लिक वाणी, भोपाल

पिपलानी इलाके में खुदकुशी के पांच दिन बाद सामने आए सुसाइड नोट के मामले में नाटकीय मोड़ आ गया है। जिस घर में यह घटना हुई थी वहां कैमरे लगे थे। उन कैमरों की डीवीआर गायब हैं। जिसको पुलिस संदेह की नजर से देख रही है। इधर, मामले की जांच कर रहे एसआई का तबादला भी हो गया है। इस कारण जांच की रफ्तार में उसका असर देखने मिल रहा है। आपको बता दें कि पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित अभिनव होम्स में 16 सितंबर को सचिन दमाडे पिता सत्यनारायण दमाडे उम्र 22 साल ने फांसी लगाई थी। वह नानी के घर पर रहता था। नानी अपने ही बेटे की हत्या के मामले में पूर्व में बिलखिरिया थाने में गिरफ्तार हुई थी। हालांकि उसे कोर्ट ने बरी कर दिया है। उसी नानी ने पिपलानी पुलिस को 21 सितंबर को सुसाइड नोट सौंपा था। जिसमें बिलखिरिया थाने में तैनात कांस्टेबल संजय परसोदिया पर एक मामले की जांच एसआई विवेक आर्य कर रहे हैं। खबर है कि उनका भी तबादला हो गया है। फिलहाल वे थाने से रिलीव नहीं हुए हैं। लेकिन, तबादला होने के चलते इस विवादित जांच पर वह रफ्तार देखने को नहीं मिल रही है। पुलिस सूत्रों की माने

तो इस मामले में दूसरे जिले में तैनात एक पुलिस अधिकारी की संधिध भूमिका है। वह सचिन दमाडे के परिवार के संपर्क में था। यदि मोबाइल कॉल डिटेल खंगाले गए तो इस घटना में कई परतें उजागर होंगी। **एसएसआई कर रहे थे जांच, कांस्टेबल को बयान लेने बोला:** पुलिस सूत्रों के अनुसार बिलखिरिया थाना क्षेत्र में एक मोबाइल चोरी की वारदात हुई थी। यह जांच एसएसआई बेनी के पास थी। वे विसर्जन ड्यूटी पर थे उन्होंने कांस्टेबल संजय परसोदिया को बयान दर्ज करने के लिए बोला था। हालांकि उन्होंने सचिन दमाडे को बयान दर्ज करने के लिए बुलाया ही नहीं। मोबाइल चोरी के मामले में कई तरह के पेंच हैं। जांच के आदेश एसीपी गोविंदपुरा संधाग दीपक नायक ने दिए हैं। मोबाइल चोरी नानकीबाई का हुआ था। उसमें भाई का फोनपे चलता था। उसका पासवर्ड क्रेक करके रकम निकाली गई थी। यह रकम इंदौर में रहने वाले लड़के के खाते में गई थी। यह सबकुछ रामअवतार के मोबाइल से हुआ था। जिसके बाद परसोदिया ने रामअवतार को बयान दर्ज करने के लिए बुलाया था। उसके बयान के बाद ही सचिन दमाडे ने फांसी लगाई थी। पुलिस को लगता है कि राम अवतार इस मामले में महत्वपूर्ण कड़ी है।

करंट लगने से गार्ड की मौत

दुकानों में सन्नाटा, पब-बार के भी बुरे हाल, पांच दिनों में दस करोड़ का नुकसान

नवरात्रि का असर

सुरा प्रेमियों में भक्ति की आस्था, 70 फीसदी घट गई शराब की खपत

अजीत द्विवेदी, भोपाल

नवरात्रि शुरू होने के साथ सुरा प्रेमियों में भी भक्ति की आस्था जाग गई है। पांच दिन से उन्होंने शराब की दुकान की ओर रुख तक नहीं किया है। इससे शराब ठेकेदारों को तकरीबन दस करोड़ से अधिक की चपत लगा दी। नवरात्रि में लोगों की धार्मिक आस्थाओं के कारण राजधानी के शराब लाइसेंस और बार-पब संचालकों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। पहले के मुकाबले यहां अब 30 से 35 फीसदी ही लोग पहुंच रहे हैं। नौ दिनों तक शराब से दूरी बनाने के संकल्प के कारण जिले में शराब की खपत और बिक्री 70 फीसदी तक गिर गई है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार भोपाल में रोजाना साढ़े तीन करोड़ की शराब बिकती है। पांच दिनों के आंकड़े बताते हैं कि



अब यह बिक्री सवा करोड़ तक आकर सिमट गई और करीब सवा दो करोड़ रुपए की बिक्री प्रभावित हो रही है। **जहां रहती थी दिन भर भीड़, वहां इक्का-**

दुक्का लोग: राजधानी में लाइसेंसी शराब की दुकानें 87 और बार-पब की संख्या 60 है। यह ऐसी जगह हैं, जहां आपको सबसे अधिक भीड़ आम दिनों में देखने को मिलती

तीन दिन में कवर हो जाता है नुकसान

लाइसेंसियों का कहना है कि हर साल नवरात्र में कुछ ऐसी ही स्थिति बनती है। शराब की बिक्री जमीन पर आ जाती है। हालांकि इससे कोई खास असर नहीं पड़ता, क्योंकि नवरात्रि खत्म होने के तीन दिन में लाइसेंसी इसे कवर लेते हैं। इन तीन दिनों में आम दिनों के मुकाबले अधिक शराब बिकती है। यह स्थिति हर हाल की रहती है।

हालांकि इन दिनों शराब दुकानों और बार में सन्नाटा पसरा हुआ है। अब यहां इक्का-दुक्का लोग ही नजर आ रहे हैं। असल में गुरुवार से शुरू हुए नवरात्र में धार्मिक अनुष्ठान व

कार्यक्रम हो रहे हैं। जगह-जगह दुर्गा पण्डाल लगाए गए हैं। लोग उपवास पर हैं। ऐसे में कई शराब के शौकीनों ने भी 9 दिनों के लिए शराब को त्याग दिया है। इसका असर शराब कारोबार पर साफ नजर आ रहा है। **यह है बिक्री का गणित:** आबकारी अधिकारियों के अनुसार मौजूदा वित्तीय वर्ष में 33 समूह की 87 शराब समूह के ठेके 894 करोड़ में गए हैं। यानी साल भर में इन ठेकेदारों से 894 करोड़ की लाइसेंसी फीस सरकार लेगी। एक दिन की यह फीस 2.44 करोड़ रुपए बनती है। फीस चुकाने के लिए ठेकेदारों को रोजाना साढ़े तीन करोड़ रुपए की शराब बेचना पड़ रही है। तब जाकर उसकी फीस, फायदे के अलावा घोषित और अघोषित खर्चों भी निकलते हैं।



डाडिया संग गरबे की धुन पर जमकर ड्रमों प्रतिभागी

भोपाल। संगीत की स्वर लहरियों के बीच तीन ताली, हीच, तिमली और 16-18 स्टेप का गरबा। यह नजारा था लेंडमार्क गार्डन में आयोजित गरबा महोत्सव का। लायंस क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 जी-2 और आर्ट स्टूडियो की ओर से आयोजित गरबा महोत्सव में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने गरबे के माध्यम से मां भगवती की आराधना की। इस दौरान गुजराती गीत के साथ भक्ति गीत और बॉलीवुड गीतों पर भी प्रतिभागियों ने जमकर एंजॉय किया। दो दिवसीय गरबा महोत्सव में फैमिला मिस इंडिया, मिस एमपी गुडसेड एंक्सेडर प्रतीका सक्सेना बतौर सेलिब्रिटी गेस्ट उपस्थित हुईं। महोत्सव में लायन क्लब के डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन हरिओम जटिया, उर्वशी शाह, फर्स्ट लेडी गर्वनर पिपरिया, अजय कुमार शर्मा डायरेक्टर आईईएस पब्लिक स्कूल, अध्यक्ष लायंस क्लब भोपाल प्रकाश बच्चानी सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित हुए।

माता रानी की आराधना करने पहुंच रहे हिन्दू सनातनी परिवार



भोपाल। राजधानी के जम्बूरी मैदान पर चल रहे भोजपाल गरबा महोत्सव में चौथे दिन भारी भीड़ रही। गरबा आयोजन के तीसरे दिन भोजपुरी गायिका व अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने अपनी प्रस्तुति से जमकर धमाल मचाया। टीवी अभिनेत्री रश्मि देसाई, भोजपुरी गायिका व अभिनेत्री अक्षरा सिंह के बाद बुधवार को सौम्या टंडन (भाभी जी घर पर हैं) अपनी प्रस्तुति देने आ रही हैं। अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि यह पूरा आयोजन सांस्कृतिक और धार्मिक है। भोजपाल गरबा महोत्सव में शामिल होने के लिए आने वालों का मुख्य द्वार पर टीका, तिलक लगाकर स्वागत किया गया है।

संपादकीय

शांतिपूर्ण और सफल चुनावों से मजबूत होता है लोकतंत्र

जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा के बहुप्रतीक्षित चुनाव परिणाम आ चुके हैं। एग्जिट पोल में हालांकि हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनने की संभावना जताई जा रही थी और जम्मू-कश्मीर में खंडित जनादेश का अनुमान व्यक्त किया जा रहा था, लेकिन चुनाव परिणामों ने दोनों राज्यों के बारे में एग्जिट पोल को नकार दिया है। हरियाणा में जहां भाजपा को बहुमत मिला है, वहीं जम्मू-कश्मीर में नेकां-कांग्रेस गठबंधन के सरकार बनाने का रास्ता साफ हो गया है। बहरहाल, सरकार किसी की भी बने, दोनों राज्यों में हुए शांतिपूर्ण चुनाव और सामने आए स्पष्ट जनादेश ने हमारे देश में लोकतंत्र की मजबूती को ही साबित किया है। हरियाणा में मतदाताओं ने जहां पिछले दो कार्यकाल से चली आ रही भाजपा सरकार पर ही विश्वास व्यक्त किया है, वहीं जम्मू-कश्मीर में नेकां-कांग्रेस गठबंधन को स्पष्ट बहुमत देकर जनता ने संदेश दिया है कि वह अब पड़ोसी देश द्वारा प्रायोजित आतंकवाद से ऊब चुकी है और राज्य में निर्वाचित सरकार के जरिये विकास के पथ पर आगे बढ़ना चाहती है। दरअसल जम्मू-कश्मीर में पिछले कई दशकों से चुनाव आतंक के साये में ही हो रहे थे। आतंकवादियों के खौफ से मतदान प्रतिशत भी बहुत कम रहता था। इस बार सरकार ने वहां के लोगों में सुरक्षा का जो विश्वास पैदा किया, उसी का नतीजा था कि लोगों ने निर्भय होकर वोट डाला। राज्य में तीन चरणों में हुए मतदान में 63 प्रतिशत से भी अधिक लोगों ने अपना मत दिया। चुनाव के दौरान मतदाताओं का उत्साह साफ दिखाई दे रहा था। अब वहां निर्वाचित सरकार का यह कर्तव्य होगा कि वह राजनीति को परे रखकर पूरी तरह से राज्य के विकास पर ध्यान दे, क्योंकि वहां के लोगों की स्थिति अभी भी देश के अन्य राज्यों से भिन्न है। आतंकवाद ने लोगों के सामान्य जीवन को अस्त-व्यस्त कर डाला है, जिसे पटरी पर लाना और लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना निर्वाचित सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। केंद्र सरकार को भी राजनीति को परे रखकर राज्य सरकार की इसमें पूरी मदद करनी होगी, क्योंकि वहां लोकतंत्र मजबूत होने में ही सभी की भलाई है। वहां सफलतापूर्वक संपन्न होने वाले चुनाव पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर करारा प्रहार है और राज्य की जनता ने लोकतंत्र में अपना जो विश्वास जताया है, उस पर अब खरा उतरने की जिम्मेदारी सभी राजनीतिक दलों की है।

एक नजरिया

बारूद के ढेर पर बैठी दुनिया और महाविनाश का इंतजार

हेमधर शर्मा



किसने सोचा था कि रूस-यूक्रेन युद्ध ढाई साल से भी ज्यादा लम्बा खिंच जाएगा और इजराइल के हृदय में लगी हमاس से बदला लेने की आग एक साल बाद भी ठंडी नहीं होगी! अब तो इसमें ईरान की एंट्री ने दुनिया को दिल थाम कर बैठने के लिए मजबूर कर दिया है। दुनिया बारूद के ऐसे ढेर पर बैठी है, जहां एक छोटी सी चिंगारी भी सबकुछ खाक कर सकती है। द्वितीय विश्वयुद्ध ने जो विनाशलीला रचाई थी, उसे देखकर ही दुनियाभर के देशों ने संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन किया था। एक ऐसी संस्था, जो सभी देशों के बीच विचार-विमर्श का माध्यम बने और विश्वयुद्ध जैसी परिस्थितियों को बनने से रोका जा सके। लेकिन जिन लोगों ने विश्वयुद्ध देखा था, वे अब बचे नहीं हैं और जो तॉडव मचाने पर आमादा हैं, उन्होंने विनाशलीला देखी नहीं है।

हिरोशिमा और नागасаकी पर परमाणु बम गिराए जाने के बाद विकिरण ने जो दिल दहलाने वाला मंजर पेश किया, उसी ने जापान को यह संकल्प लेने पर मजबूर किया था कि वह परमाणु बम नहीं बनाएगा और दुनिया के विकसित देशों में शामिल होने के बावजूद आज भी उसके पास परमाणु बम नहीं हैं। दुनिया में राजतंत्रों का जमाना लाख बुरा रहा हो, उनमें एक अच्छाई जरूर थी कि लड़ाई के दौरान राजा या राज्य प्रमुख अपनी सेना के आगे-आगे चलते थे। लोकतंत्र में युद्धों के दौरान जनसेवक (शासक) सबसे पीछे अर्थात सबसे सुरक्षित जगह पर रहते हैं। सपने देखने वाले और बेचने वाले में जितना फर्क होता है, उतना ही शायद युद्ध लड़ने वाले और लड़वाने वाले में होता है। एक गांधीजी ही थे, जो धधकती सांप्रदायिक आग के बीच भी बेधड़क घुस जाते थे और उसे ठंडी करके ही दम लेते थे। हालांकि सुरक्षा नहीं लेने के इसी निश्चय ने उनकी जान भी ली, लेकिन सुरक्षा में रहकर शायद वे उस काम का एक-चौथाई भी न कर पाते, जितना उन्होंने निर्भय रहकर किया। इसमें दो मत नहीं कि युद्धों से आम आदमी की होने वाली दुर्दशा का वास्तविक अनुभव जिस शासक को हो, वह अपने देश को युद्ध की आग में झोंकने से पहले सौ बार सोचेगा। शायद एक अच्छा मनुष्य बने बिना, सिर्फ राजनीतिक पैंतरे या धनबल-बाहुबल से किसी भी देश का शासक बनने की योग्यता लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाती है। राजतंत्र में, राजकुमारों को भावी राजा बनाने के लिए हर तरह की विद्या में पारंगत किया जाता था, जनता के दुःख-दर्द को महसूस करना सिखाया जाता था। ऐसे अनेक राजाओं के किस्से मशहूर हैं जो जनता का मनोभाव जानने के लिए वेश बदल कर उसके बीच जाते थे। अब नेता और जनता दो अलग-अलग दुनियाओं में रहते हैं। नेता लड़ाते हैं और जनता लड़ती है। युद्ध तो दुनिया में हमेशा से होते रहे हैं लेकिन विनाश के संसाधन कभी इतने परिष्कृत नहीं हुए थे कि समूची मानव जाति को ही खत्म कर डालें। अब हम शायद विकास की उस चरम सीमा तक पहुंच गए हैं जहां एक छोटी सी गलतफहमी भी सबकुछ तबाह कर डालने के लिए काफी है।

बेधड़क घुस जाते थे और उसे ठंडी करके ही दम लेते थे। हालांकि सुरक्षा नहीं लेने के इसी निश्चय ने उनकी जान भी ली, लेकिन सुरक्षा में रहकर शायद वे उस काम का एक-चौथाई भी न कर पाते, जितना उन्होंने निर्भय रहकर किया। इसमें दो मत नहीं कि युद्धों से आम आदमी की होने वाली दुर्दशा का वास्तविक अनुभव जिस शासक को हो, वह अपने देश को युद्ध की आग में झोंकने से पहले सौ बार सोचेगा। शायद एक अच्छा मनुष्य बने बिना, सिर्फ राजनीतिक पैंतरे या धनबल-बाहुबल से किसी भी देश का शासक बनने की योग्यता लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाती है। राजतंत्र में, राजकुमारों को भावी राजा बनाने के लिए हर तरह की विद्या में पारंगत किया जाता था, जनता के दुःख-दर्द को महसूस करना सिखाया जाता था। ऐसे अनेक राजाओं के किस्से मशहूर हैं जो जनता का मनोभाव जानने के लिए वेश बदल कर उसके बीच जाते थे। अब नेता और जनता दो अलग-अलग दुनियाओं में रहते हैं। नेता लड़ाते हैं और जनता लड़ती है। युद्ध तो दुनिया में हमेशा से होते रहे हैं लेकिन विनाश के संसाधन कभी इतने परिष्कृत नहीं हुए थे कि समूची मानव जाति को ही खत्म कर डालें। अब हम शायद विकास की उस चरम सीमा तक पहुंच गए हैं जहां एक छोटी सी गलतफहमी भी सबकुछ तबाह कर डालने के लिए काफी है। क्या दुनिया को तबाह होते देखने के लिए दिल थाम कर बैठे रहने के अलावा हमारे पास कोई उपाय नहीं है? (यह लेखक के अपने विचार हैं)

सुरेश पंचौरी

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी ने ‘स्वच्छ भारत’ का सपना देखा था और इस सपने को पूरा करने का काम किसी और ने नहीं बल्कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने किया है। उनके इस आह्वान के पीछे अधिकांश देशवासियों ने खड़े हो कर एक सशक्त नेतृत्व के प्रति आस्था ही प्रकट की है। भारत स्वच्छ हो इस उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने 2014 में गांधी जयंती 2 अक्टूबर को ‘स्वच्छ भारत अभियान’ को आरंभ किया।

इस अभियान का उद्देश्य अगले पांच वर्ष में स्वच्छ भारत का लक्ष्य प्राप्त करना था। स्वच्छ भारत अभियान के लिए सफाई के लिए प्रतिवर्ष 100 घंटे के श्रमदान का लक्ष्य रखा जो बीते दस वर्षों में सफल अभियान बन गया। दस वर्ष बाद 2 अक्टूबर 2024 को जब हमने पीछे पलट कर देखा तो पाया कि ‘स्वच्छ भारत’ संकल्प एक ‘जन-आंदोलन’ बन चुका है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी जी का यह कहना महत्वपूर्ण है, विकसित भारत की यात्रा में हमारा हर प्रयास स्वच्छता से संपन्नता के मंत्र को मजबूत करेगा। स्वच्छ भारत मिशन की ये यात्रा करोड़ों भारतवासियों की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

आज हम कह सकते हैं कि अपने तरह की कई विशिष्ट पहल के बीच ‘स्वच्छ भारत अभियान’ मोदी सरकार द्वारा चलाया गया सबसे अहम स्वच्छता अभियान है। बीते 10 साल में भारतीयों ने इस मिशन को अपनाया, अपना लक्ष्य बनाया तथा सफाई की प्रवृत्ति को अपने जीवन का हिस्सा बनाया है। यह तथ्य उत्साह से भरता है कि भारतीय जनता पार्टी ने पीएम मोदी जी के जन्मदिन (17 सितंबर) से गांधी जयंती 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा आयोजित किया। इस अवधि में नगर, गांव, गली, मोहल्लों, मजरां, चौपालों समेत सार्वजनिक स्थानों पर सेवा कार्य किए गए। सेवा पखवाड़ा के 15 दिनों में देशभर में लगभग 27 लाख से ज्यादा कार्यक्रम हुए जिनमें लगभग 28 करोड़ से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया। स्वच्छ भारत मिशन के असर को आंकड़ों के आइने में देख लेना चाहिए। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान और ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के संयुक्त अध्ययन ने बताया है कि स्वच्छ भारत मिशन से हर वर्ष 60 से 70 हजार बच्चों का जीवन बच रहा है! स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग से शौचालय बनाए जाने से उनके पढ़ाई छोड़ देने की दर में भी गिरावट आई है। बच्चों के लिए कार्य कर रहे अंतरराष्ट्रीय संगठन यूनिसेफ की एक और स्टडी के मुताबिक स्वच्छता के कारण गांव के परिवार के हर साल इलाज पर होने वाले खर्च में से औसतन 50 हजार रुपए बच रहे हैं।

यशवंत गोरे

गजल के बादशाह कहे जाने वाले जगजीत सिंह की पुण्यतिथि 10 अक्टूबर है। उनके गजल गायक बनने की दिलचस्प कहानी डीएवी कालेज, जालंधर में पढ़ने वाले प्रसिद्ध जासूसी उपन्यासकार सुरेंद्र मोहन पाठक ने अपनी आत्मकथा ना बैरी ना कोई बेगाना में बयान की है। जगजीत सिंह भी इसी कालेज में पढ़ते थे। इसी कालेज में पुरषोत्तम जोशी नाम का लड़का भी पड़ता था जो शास्त्रीय संगीत में काफी पारंगत था और जगजीत सिंह से एक साल जूनियर था। शास्त्रीय संगीत की इंटर कालेज और इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगितायों में पुरषोत्तम हमेशा पहला स्थान पा जाता था और जगजीत को दूसरे स्थान से संतोष करना प़ेता था। निराश होकर जगजीत सिंह ने क्लासिकल प्रतियोगिता में हिस्सा लेना बंद कर दिया और सुगम संगीत में रूचि लेनी शुरू किया इसके बाद जगजीत सिंह की सफलता के द्वार खुलने लगे। हर प्रतियोगिता में वे अपना परचम लहराने लगे।

जगजीत सिंह सभी तरह के वाद्य यंत्र बजाने में भी पारंगत थे, वे कॉलेज में दावा करते थे कि दुनिया का कोई भी वाद्य यंत्र जिसे उन्होंने देखा भी न हो उसे बजा के दिखा देंगे केवल आधा घंटा उस वाद्ययंत्र के साथ छोड़ दें। हॉस्टल के अपने साथियों को वे राह चलते पकड़ कर गाना सुनाने लगते थे। कई बार वे नाराज भी हो जाते थे कि तुझे तो दावा होना नहीं ह , हमें तो पढ़ने दो। इस पर जगजीत गुस्से में आकर करते ,एक दिन ऐसा आएगा कि लोग मेरा गाना सुनने के लिए टिकट खरीदेंगे। जगजीत सिंह का जन्म 8 फरवरी 1941 को राजस्थान के श्रीगंगानगर में हुआ था। उनका असली नाम जगमोहन सिंह धीमान था। बचपन में ही गंगानगर के पंडित छगन लाल शर्मा के सान्निध्य में दो साल तक शास्त्रीय संगीत सीखने की शुरुआत की। बाद में सैनिया घराने के उस्ताद जमाल खान साहब से ख्याल, तुमरी और द्रुपद की बारीकियां सीखीं। पिता की खाहिश थी कि उनका बेटा आईएएस पास कर प्रशासनिक अधिकारी बने। लेकिन जगजीत पर तो गायक बनने की धुन सवार थी। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान संगीत में उनकी दिलचस्पी देखकर कुलपति प्रोफेसर सूरजभान ने जगजीत सिंह को उत्साहित किया। उनके ही कहने पर वे 1965 में मुंबई आ गए। शुरुआती दिनों में पेइंग गेस्ट के तौर पर रहना पड़ा और विज्ञापनों के लिए जिंगलस गाकर तथा शादी-समारोह में गाने रोजी- रोटी का जुगाड़ करते रहे। चित्रा सिंह , बाद में जिनसे उनका विवाह हुआ, जब पहली बार मिले तो उन्हें पसंद नहीं करती थी। चित्रा सिंह पहले ही देबू प्रसाद दत्ता से शादी कर चुकी थी और उनकी एक बेटी मोना भी थी। चित्रा मुंबई में जहां

बिना सिम लगाए भी आप कर सकते हैं अपने फोन से काल

रोजमर्रा की ज़िंदगी में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले गैजेट्स की बात करें तो फ़ोन स्मार्टफ़ोन्स याद आते हैं। अगर आपने कोई नया फ़ोन खरीदा है और उसमें स्ड्रूकार्ड लगाए बिना कॉलिंग शुरू करना चाहते हैं तो ऐसा आसानी से किया जा सकता है। **इस्तेमाल कर सकते हैं VoIP ऐस** : VoIP यानी कि वॉइस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल का विकल्प ठेरो ऐस में मिलता है, जिनका इस्तेमाल आप रोजाना करते हैं। इसकी लिस्ट में WhatsApp से लेकर Skype तक शामिल हैं। इन ऐस में अकाउंट बनाकर लॉगिन करने के बाद आप इंटरनेट के जरिए कॉल्स कर सकते हैं।

वर्चुअल फोन नंबर सेवाएं : बीते कुछ दिनों में वर्चुअल फोन नंबर सेवाओं की लोकप्रियता बढ़ी है और कई ऐस या वेबसाइट्स पर जाकर आप वर्चुअल नंबर जेनरेट कर सकते हैं। ये फोन नंबर इंटरनेट कनेक्टिविटी की मदद से कॉलिंग का विकल्प देते हैं और आपको किसी फिजिकल सिम कार्ड की जरूरत नहीं पड़ेगी।

WiFi कॉलिंग को इनेबल करें : लैटेस्ट स्मार्टफोन में यूजर्स को WiFi कॉलिंग का ऑप्शन मिलता है और इसे सेटिंग्स में जाकर इनेबल किया जा सकता है। इस सुविधा के साथ आप फोन के डायलर से कॉल्स डायल कर सकते हैं। हालांकि, इसके लिए आपको एक बार सिम कार्ड लगाना होगायह सेवा सेल्युलर नेटवर्क ना होने पर भी कॉलिंग का विकल्प देती है। टैलिकॉम कंपनियां अब यूजर्स को ई-सिम का विकल्प भी दे रही हैं। इस सुविधा के साथ फोन में कोई फिजिकल सिम लगाए बिना आसानी से कॉलिंग, रस्स और मोबाइल डाटा जैसी सेवाएं एक्सेस की जा सकती हैं। आप टैलिकॉम ऑपरेटर की हेल्पलाइन पर कॉल करने के बाद इस बारे में जानकारी इकट्ठा कर सकते हैं और ई-सिम ऐक्टिवेट कर सकते हैं।



प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प को जन आंदोलन बनाने में मध्य प्रदेश की भी अपनी महती भूमिका है। जनता और सरकार के सकारात्मक प्रयासों का परिणाम है कि व्यक्तिगत शौचालय, सार्वजनिक शौचालय सुविधा, अपशिष्ट प्रबंधन आदि आयामों में

जनता और सरकार के सकारात्मक प्रयासों का परिणाम है कि व्यक्तिगत शौचालय, सार्वजनिक शौचालय सुविधा, अपशिष्ट प्रबंधन आदि आयामों में स्वच्छता आंदोलन को नई गति मिली है। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) में मध्यप्रदेश ने वर्ष 2023 में श्रेष्ठ राज्य के रूप में देशभर में दूसरे स्थान की रैकिंग प्राप्त की है। इस वर्ष राज्य के 6 शहरों ने राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किये हैं। प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर पिछले 7 वर्षों से पूरे देश में सर्वश्रेष्ठ स्वच्छ शहर के रूप में पहला पुरस्कार प्राप्त कर रहा है।

स्वच्छता आंदोलन को नई गति मिली है। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) में मध्यप्रदेश ने वर्ष 2023 में श्रेष्ठ राज्य के रूप में देशभर में दूसरे स्थान की रैकिंग प्राप्त की है। इस वर्ष राज्य के 6 शहरों ने राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किये हैं। प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर पिछले 7 वर्षों से पूरे देश में सर्वश्रेष्ठ स्वच्छ शहर के रूप में पहला

गजलों को बंगलों से घरों तक पहुंचाया जगजीत सिंह ने

जगजीत सिंह की पुण्य तिथि पर विशेष



रहती थीं, उनके सामने एक गुजराती परिवार रहता था । जगजीत अक्सर यहाँ आते और अपने गानों की रिकॉर्डिंग करते थे। एक दिन चित्रा को सामने से आवाज सुनाई दी। जगजीत के जाने के बाद चित्रा ने पड़ोसी से पूछा, क्या मामला है? पड़ोसी ने जगजीत की जमकर तारीफ की और जब उन्हें उनकी रिकॉर्डिंग सुनाई तो चित्रा ने पूछा, सरदार है क्या? प्रवेश मिला, हाँ, लेकिन दाढ़ी कटवा दी है। चित्रा और जगजीत के हमसफर बनने की भी दिलचस्प कहानी है। 1967 में जब जगजीत और चित्रा एक ही

जगजीत सिंह की आवाज में उतार चढ़ाव मेहंदी हसन व गुलाम अली जैसा भले ही नहीं हो पर उनकी आवाज सीधी दिल से निकल कर दिल तक पहुंच जाती थी। उनकी गायी गजलों के सभी एलबम लाजवाब है इन सर्च, इनसाइट। गुलजार के साथ जगजीत की जुगलबंदी भी जबरदस्त है। जगजीत सिंह और पंकज उदास ऐसे गजल गायक है जिन्होंने अभिजात वर्ग के बंगलों से बाहर निकाल कर मध्यमवर्ग के छोटे घरों और फ्लैट में पहुंचाया।

स्टूडियो में रिकॉर्ड कर रहे थे, इसी दौरान वे मिले तो बात हुई। चित्रा बोलीं, आपको मेरा ड्राइवर छोड़ देगा घर तक। रास्ते में चित्रा का घर पड़ता था । चित्रा ने जगजीत को चाय पर बुलाया। इसी दौरान जगजीत एक गजल गुनगुनाते है, जिसे चित्रा किचन से सुन लेती हैं। जब चित्रा ने उनसे पूछा कि किसकी है, जगजीत कहते, मेरी है। इसके बाद चित्रा पहली बार जगजीत से प्रभावित हुई। इसके बाद जगजीत और चित्रा अक्सर मिलने लगे और एक दूसरे को पसंद करने लगे। वहीं दूसरी ओर चित्रा और देबू ने

पुरस्कार प्राप्त कर रहा है। शहर को स्वच्छ रखने में नागरिकों का बोध प्रशासनिक दायित्व से आगे है। कार्बन क्रेडिट से राशि अर्जित करने वाला इंदौर देश का पहला शहर है। प्रधानमंत्री के इस स्वप्न को पूरा करने में मध्य प्रदेश भाजपा और इसके देवतुल्य कार्यकर्ताओं का अतुलनीय योगदान रहा है। प्रदेश भाजपा ने भी अपने यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी के जन्मदिन का उल्लास से बड़े स्तर पर मनाने के लिए उनके जन्मदिन 17 सितंबर से सेवा पखवाड़े की शुरुआत की। प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त जी शर्मा, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन जी यादव तथा संगठन महामंत्री हितानंद जी के नेतृत्व में सेवा पखवाड़े के तहत पीएम मोदी जी के जन्मदिन पर प्रदेश में रक्तदान शिविर आयोजित किए गए। स्कूलों और अस्पतालों में स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। पीएम मोदी जी के व्यक्तित्व और उपलब्धियों पर 15 दिनों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर तक पौधरोपण अभियान चलाया गया।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने इन सभी अभियानों में बढ़-चढ़ कर भागीदारी की और अपने प्रेरक नेता प्रधानमंत्री मोदी जी के प्रति अपनी अगाध आस्था का प्रदर्शन किया। एक तरफ सेवा पखवाड़ा और दूसरी तरफ संगठन पर्व, भाजपा ने सेवा से संगठन निर्माण का अद्भुत कौशल विकसित किया है। मध्यप्रदेश में भाजपा ने संगठन पर्व के पहले चरण में अपना लक्ष्य लगभग 70 प्रतिशत पूरा कर लिया है। अब तक मध्यप्रदेश में एक करो 16 लाख से अधिक सदस्य बन चुके हैं। इतने कम समय में 1 करोड़ से अधिक सदस्य बनाना प्रदेश के कार्यकर्ताओं की कर्मठता और संगठन निष्ठा और जनता में भाजपा की स्वीकार्यता को दर्शाता है। संगठन पर्व का द्वितीय चरण 15 अक्टूबर तक आयोजित होगा और विश्वास है कि डेढ़ करोड़ सदस्य बनाने के लक्ष्य से आगे निकलकर इतिहास म प्र में बनेगा। यह पार्टी की लोकप्रियता का ही परिणाम है कि मात्र 24 दिनों में ही 1 करोड़ 81 हजार 437 सदस्य बनाकर इतिहास रचा गया। लोकतंत्र के इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।

महात्मा गांधी के स्वच्छता संदेश और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के सिद्धांत पर खड़ी भाजपा पार्टी को प्रधानमंत्री मोदी जी जैसा दूरदर्शी और अभूतपूर्व नेतृत्व मिला है। मोदी जी के सानिध्य में पूरी भाजपा और पूरा देश सक्षम, समर्थ और सुदृढ़ हो कर विश्व गुरु के सिंहासन पर आरुढ़ हो गया है। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने ‘सबका साथ, सबका विश्वास’ को ध्येय वाक्य मानकर भारत को विकास का विजन देने का संकल्प लिया है। (लेखक भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री हैं।)

रजामंदी से अलग होने का फैसला ले लिया। जगजीत देबू के पास गए और कहा, मैं चित्रा से शादी करना चाहता हूँ। उनका संगीत अत्यंत मधुर और उनकी आवाज़ संगीत के साथ खूबसूरती से घुल-मिल जाती है। खालिस उर्दू जानने वालों की मिलिक्यत समझी जाने वाली, शायरों की महफ़लों में वाह-वाह की दाद पर इतराती गुज़लों को आम आदमी तक पहुंचाने का श्रेय अगर किसी को दिया जाए तो वे जगजीत सिंह ही हैं। उनकी गुज़लों ने उर्दू के कम जानकारों के बीच शेरों-शायरी की समझ को बढ़ाया ही नहीं , बल्कि ग़ालिब, मीर, जोश और फ़रि़ाक़ जैसे शायरों से भी उनका परिचय कराया।

1990 में एक त्रासदी ने चित्रा -जगजीत दोनों को एकदम खामोश सा कर दिया। जगजीत और चित्रा के बेटे विवेक का एक कार दुर्घटना में दुखद निधन हो गया। बेटे के शोक में जगजीत सिंह छह महीने तक एकदम खामोश हो गए वहीं चित्रा सिंह इस त्रासदी से कभी उबर नहीं पाई और उन्होंने गायकी से हमेशा के लिए बिदा ले ली। जगजीत सिंह ने कुछ समय बाद अपने आप को संभाला और फिर से गाना शुरू किया। इसके बाद गायी गई गजलों में बेटे को खो देने का दर्द साफ झलकता था।इसी दर्द से पैदा हुई आवाज से उनके प्रशंसकों की संख्या अचानक बढ़ गई और वे किंग ऑफ गजल कहलाने लगे। उनकी आवाज में गजब की मिठास थी। उनकी आवाज में उतार चढ़ाव मेहंदी हसन व गुलाम अली जैसा भले ही नहीं हो पर उनकी आवाज सीधी दिल से निकल कर दिल तक पहुंच जाती थी। उनकी गायी गजलों के सभी एलबम लाजवाब हैं इन सर्च, इनसाइट। गुलजार के साथ जगजीत की जुगलबंदी भी जबरदस्त है। जगजीत सिंह और पंकज उदास ऐसे गजल गायक है जिन्होंने अभिजात वर्ग के बंगलों से बाहर निकाल कर मध्यमवर्ग के छोटे घरों और फ्लैट में पहुंचाया। जगजीत सिंह की कई गजलें फिल्मों में भी ली गई हैं जैसे अर्थ (झुकी झुकी सी नजर, तुम इतना जो मुस्करा), साथ-साथ (प्यार मुझसे जो किया), प्रेम गीत (होवें से छू लो तुम) दुश्मन (चिढ़ी ना कोई संदेश) 23 सितम्बर को मुंबई के लीलावती अस्पताल में ब्रेन हेमरेज होने के कारण उन्हें भर्ती करवाया गया था। उस दिन वे सुप्रसिद्ध गजल गायक गुलाम अली के साथ एक शो की तैयारी कर रहे थे। ऑपरेशन के बाद भी कुछ सुधार नहीं हुआ और 10 अक्टूबर 2011 को सुबह 8 बजे इस फनकार ने उसके प्रशंसकों से हमेशा के लिए विदाई ले ली। भारत सरकार द्वारा 2003 में जगजीत सिंह को कला के क्षेत्र में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। फरवरी 2014 में आपके सम्मान व स्मृति में दो डाक टिकट भी जारी किए गए।

जानिए बुधवार 9 अक्टूबर 2024 का राशिफल

मेष-आज का दिन आपका भागदौड़ से भरा रहेगा, व्यर्थ के कार्य में आप उलझे रहेंगे। आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। व्यापार-व्यवसाय में हानि उठानी पड़ सकती है। परिवार में आपसी मतभेद बढ़ेंगे। **वृषभ**-आज का दिन आपका स्वास्थ्य में आप गिरावट महसूस करेंगे। किसी विशेष बात को लेकर आप आज मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में कोई नया कार्य आज शुरू न करें। **मिथुन**-आज के दिन आप अपने परिवार के साथ कहीं बाहर घूमने जा सकते हैं। स्वास्थ्य ठीक रहेगा, व्यापार-व्यवसाय में आर्थिक लाभ प्राप्त होगा। कोई नया कार्य शुरू कर सकते हैं। मांगलिक कार्यों का योग बनेंगे। **कर्क**-आज का दिन आपका बहुत अच्छा रहने वाला है। आप किसी विशेष कार्य को लेकर बाहर की यात्रा पर जा सकते हैं। न्यायालय पक्ष में विजय प्राप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय में आय के नए स्रोत बनेंगे। **सिंह**-आज आप लंबी यात्रा पर जा सकते हैं, वाहन आदि के चलने में सावधानी बरतें। स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे। कोई नया कार्य शुरू करना चाहते हैं, तो उसमें व्यवधान आएगा। **कन्या**-आज आपका मन अशांत रहेगा, कोई अज्ञात भय मन में बना रहेगा। परिवार में किसी अपने का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। व्यापार-व्यवसाय में घाटा लग सकता है। किसी अपने के व्यवहार से आप परेशान हो सकते हैं।

तुला-आज आप किसी बहुत पुराने मित्र से मिल सकते हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। कोई रुका हुआ कार्य आज आपका पूर्ण होगा। किसी विशेष व्यक्ति से आज आप मिल सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ के योग बनेंगे। **वृश्चिक**-आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। बहुत दिन से जिस कार्य का सोच रहे हैं, किसी विशेष व्यक्ति के माध्यम से आज आप कार्य काया पूर्ण होगा। व्यापार-व्यवसाय में आर्थिक लाभ होगा। **धनु**-आज आप किसी व्यर्थ की उलझन में फंस सकते हैं। किसी षड्यंत्र का आप शिकार बन सकते हैं, विरोधी वर्ग सक्रिय रहेंगे। स्वास्थ्य में आज आप गिरावट महसूस करेंगे। **मकर**-आज आपका मन अशांत रहेगा। वाहन आदि के चलाने में सावधानी बरतें। व्यापार-व्यवसाय में आज कोई बड़ा जोखिम न उठाएँ। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन करना आज आपके लिए ठीक नहीं होगा। **कुंभ**-आज दिन अच्छा देने वाला है, स्वास्थ्य में लाभ प्राप्त होगा। मन प्रसन्न रहेगा, कोई रुका हुआ कार्य पूर्ण होगा। व्यापार-व्यवसाय में किसी विशेष व्यक्ति के माध्यम से कोई बड़ी डील आपके मिल सकती है। **मीन**-आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आप अपने जीवन में कोई बड़ा डिस्सीजन आज आप ले सकते हैं, जिसका लाभ आपके भविष्य में दिखाई पड़ेगा। वाद-विवाद से दूर रहें। व्यापार-व्यवसाय में बड़ा लाभ प्राप्त होगा, रुका हुआ धन प्राप्त होगा।

सक्षिप्त समाचार

ओटीटी कंटेंट पर होगी सरकार की सख्ती



नई दिल्ली। भारत सरकार ओटीटी पर दिखाए जाने वाले कंटेंट को लेकर नए नियम लागू करने की दिशा में काम कर रही है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने इस नियम को लागू करने की तैयारियां शुरू कर दी है। इस नियम के मुताबिक प्लेटफॉर्म पर दिखाई जाने वाली सामग्री में अपशब्दों पर बंद लगाना होगा और अश्लील दृश्यों को ब्लर करना होगा। इस नियम का उद्देश्य आपत्तिजनक कंटेंट ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दिखाए जाने वाले कंटेंट पर नियंत्रण लगा और देश के इतिहास व संस्कृति को सही ढंग से प्रस्तुत करना है। भारत में ओटीटी प्लेटफॉर्म की बढ़ती लोकप्रियता के बीच भारतीय सूत्रों पर मौजूद कंटेंट की गुणवत्ता और सटीकता को सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने का फैसला किया है। हाल ही में नेटफ्लिक्स की सीरीज आईसी 814 में देश के इतिहास को गलत तरीके से दिखाने के मामले ने इस मुद्दे को और गंभीर बना दिया।

ओसामा बिन लादेन के बेटे की फ्रांस में एंट्री बैन



फ्रांस की सरकार ने अलकायदा नेता ओसामा बिन लादेन के बेटे उमर बिन लादेन को सोशल मीडिया पर पोस्ट के कारण देश में एंट्री पर रोक लगाने का आदेश दिया है। फ्रांस के आंतरिक मंत्री ने मंगलवार को इस आदेश पर हस्ताक्षर किए। उमर बिन लादेन ने 2023 में सोशल मीडिया पर आतंकवाद के समर्थन में एक पोस्ट किया था। जिसके बाद उसे देश छोड़ने के लिए मजबूर किया गया था। इससे पहले उमर सुडान और अफगानिस्तान में भी रह चुका है। ब्रिटिश महिला से शादी के बाद वह फ्रांस में रह रहा था। सऊदी अरब में जन्मे उमर बिन लादेन ने अपने शुरुआती साल वहीं बिताए। 43 वर्षीय उमर बिन लादेन सुडान और अफगानिस्तान में भी रह चुका है। उमर ने 19 साल की उम्र में अपने पिता को छोड़ दिया था और 2016 में उत्तरी फ्रांस के नॉर्मैंडी में बस गया था। वहां उन्होंने पेंटिंग करना शुरू कर दिया।

राज्य का दर्जा प्राप्त करने कांग्रेस और हम साथ लड़ेंगे

श्रीनगर, पीवीएनएन। जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणाम सामने आ चुके हैं। भाजपा ने हरियाणा में हैट्रिक लगाई और कांग्रेस के हाथ एक बार फिर निराशा हाथ लगी। उधर जम्मू-कश्मीर में फारुक अब्दुल्ला की एनसी और कांग्रेस ने मिलकर बहुमत पार कर लिया है। इस तरह जम्मू-कश्मीर में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। जम्मू-कश्मीर में चुनाव परिणामों से गंदाद फारुक ने कहा कि अब पुलिस का नहीं जनता का राज चलेगा। उन्होंने अपने बेटे उमर की सीएम पद पर ताजपोशी का भी ऐलान किया। हरियाणा चुनाव में कांग्रेस के प्रदर्शन पर फारुक ने कहा कि उन्हें इसका बहुत अफसोस है, लेकिन उनमें आंतरिक विवाद इसकी वजह है। सबसे पहले जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के परिणामों पर नजर डालें तो यहां नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस ने मिलकर 49 सीट जीत ली है। पीडीपी के खते में तीन, बीजेपी की झोली में 29 सीट आई। वहीं, अन्य और एआईपी के पास कुल 9 सीट ही आ पाई। जम्मू-कश्मीर में बहुमत के लिए 48 सीटों की आवश्यकता है। वहीं, हरियाणा विधानसभा चुनाव रिजल्ट पर नजर डालें तो यहां सबसे चौकाने वाले परिणाम रहे। एक दिन पहले तक जहां कांग्रेस अपनी बंपर जीत के दावों के साथ मिठाइयों और जलेबियों का ऑर्डर दे चुकी थी। कांग्रेस के खते में महज 37 सीट आती दिख रही है, जिसमें उसने 35 पर जीत हासिल कर ली है। भाजपा ने जीत की हैट्रिक के साथ कुल 48 सीट अपने पाले में कर दी है। आर्यभट्टपालडी को एक, जेजेपी के पास जीरो और अन्य ने 3 सीट जीती हैं। नेशनल कांफ्रेंस के प्रमुख फारुक अब्दुल्ला ने हरियाणा में कांग्रेस के निराशाजनक प्रदर्शन पर अफसोस जताया। उन्होंने कहा कि मुझे बेहद अफसोस है। बहुत दुख है, हमें पूरा पता था कि वो जीतेंगे। लेकिन उनके आंतरिक विवाद जो थे, उसी ने ये सब दिखाया है।

पुलिस नहीं अब जनता का राज होगा

फारुक अब्दुल्ला ने कहा, 10 साल बाद लोगों ने हमें अपना जनादेश दिया है। हम अल्लाह से प्रार्थना करते हैं कि हम उनकी उम्मीदों पर खरे उतरें। अब यहां पुलिस राज नहीं बल्कि लोगों का राज होगा। हम जेल में बंद निर्दोष लोगों को बाहर लाने का प्रयास करेंगे। मीडिया को आजादी मिलेगी। हमें हिंदुओं और मुसलमानों के बीच विश्वास विकसित करना होगा। मुझे उम्मीद है कि इंडिया गठबंधन के साथी हमें राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए हमारे साथ लड़ेंगे। मैं समझता हूं कि उमर अब्दुल्ला ऐसा करेंगे और वो ही सीएम बनेंगे।

ईवीएम से छेड़छाड़ की बातें बेबुनियाद : ईसी

बैटरी का नतीजों से कोई संबंध नहीं है

चंडीगढ़, पीवीएनएन। हरियाणा विधानसभा चुनाव की मतगणना के दौरान ईवीएम पर उठे सवालों को लेकर आयोग के सूत्रों ने बताया कि ईवीएम की विश्वसनीयता पूरी तरह प्रासंगिक है। इसमें किसी तरह का छेड़छाड़ संभव नहीं है। विपक्षी दल कांग्रेस की ओर से बैटरी को लेकर जो शंकाएं उठाई गई हैं वे पूरी तरह निराधार हैं। ईवीएम में अल्कालाइन बैटरी होती है जो खुद चार्ज होती है। चुनाव आयोग के सूत्रों ने कांग्रेस नेताओं के उन दावों का जवाब दिया जिसमें कहा गया था कि हिसार, महेंद्रगढ़ और पानीपत से शिकायतें मिली हैं

कि 99 प्रतिशत बैटरी वाली ईवीएम पर भाजपा जीती जबकि 60-70 प्रतिशत बैटरी वाली मशीनों पर कांग्रेस जीती। उन्होंने बताया कि शुरुआत में बैटरी 7.5 से 8 वोल्ट के बीच वोल्टेज देती है। इसलिए, जब वोल्टेज 7.4 से ऊपर होता है, तो बैटरी की क्षमता 99 प्रतिशत प्रदर्शित होती है। ईवीएम के उपयोग के साथ, इसकी बैटरी की क्षमता और परिणामस्वरूप वोल्टेज कम हो जाता है। जैसे ही वोल्टेज 7.4 से नीचे चला जाता है, बैटरी की क्षमता 98 प्रतिशत से 10 प्रतिशत के रूप में प्रदर्शित होती है। जब बैटरी में 5.8 वोल्ट से अधिक होता है, तो नियंत्रण



इकाई कार्यात्मक रहती है। यह तब होता है जब इसकी क्षमता 10 प्रतिशत से अधिक रह जाती है और नियंत्रण इकाई के डिस्ले पर बैटरी बदलने की चेतावनी दिखाई देती है। यह एक वाहन में प्रदर्शित सिग्नल के समान है जब वह आरक्षित ईंधन पर चल रहा होता है। मतगणना के दिन बैटरी की शेष क्षमता नियंत्रण इकाई

लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस ने लगाए थे आरोप

कांग्रेस ने आम चुनावों के दौरान भी इस तरह की चिंताएं जाहिर की थी। तब भी संपूर्ण प्रक्रिया सुचारू और पारदर्शी तरीके से चल रही थी। उन्होंने कहा कांग्रेस के ज्ञापन में किसी भी निर्वाचन क्षेत्र में हो रही किसी भी देरी को लेकर दावों को सत्यापित करने के लिए कोई तथ्य नहीं दिया गया। आयोग ने कहा कि वह बताना चाहता है कि अपटेंड नियमित रूप से हो रहा है। कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर चुनाव आयोग को तत्काल ज्ञापन प्रेषित किया था, इसमें आरोप लगाया गया था कि चुनाव आयोग जानबूझकर चुनावी नतीजों को धीमा कर रहा है। इससे कांग्रेस के जीते हुए प्रत्याशियों की टेली अपडेट नहीं हो पा रही है। इस पर आयोग ने तत्काल ही कांग्रेस के आरोपों को खारिज कर दिया था।

जाति जनगणना पर पीएम ने कांग्रेस को घेरा, बोले गरीबों को भड़का रहे

नई दिल्ली, पीवीएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को हरियाणा में बीजेपी की शानदार जीत और जम्मू-कश्मीर में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। अपने भाषण में उन्होंने कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। इसके अलावा, कांग्रेस के जाति जनगणना के मुद्दे पर भी पीएम मोदी ने घेरा। प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस जाति के नाम पर जहर फैलाने पर उतर आई है, सोने का चम्मच लेकर पैदा हुए लोग गरीबों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करना चाहते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस के लिए नो एंट्री का बोर्ड मतदाताओं ने दिखाया है, जबकि एग्जिट पोल्स ने कांग्रेस की भारी जीत की भविष्यवाणी की थी।

उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस को किसी भी राज्य में दोबारा मौका नहीं दिया गया है। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर जाति के नाम पर भय फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा, कांग्रेस दलों के खिलाफ सबसे ज्यादा अत्याचार करने वाली पार्टी है। हमारे दलित समुदाय को यह नहीं भूलना चाहिए। जो लोग चांदी के चम्मच के साथ पैदा हुए और 5-स्टार जिंदगी जीते हैं, वे चाहते हैं कि गरीब आगे के नाम पर आपस में लड़ें। प्रधानमंत्री ने जाति कहा, कांग्रेस देश में अराजकता फैलाना चाहती है।



वह इसे कमजोर करना चाहती है। वह लगातार देश में आग लगाने का प्रयास कर रही है। किसानों को भड़काने की भी कोशिश की। लेकिन जो लोग देश के साथ हैं, वे भारतीय जनता पार्टी के साथ हैं। प्रधानमंत्री का यह

बयान बीजेपी की हरियाणा और जम्मू-कश्मीर चुनावों में जीत के बाद आया है, जिससे पार्टी के कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। इससे पहले अपना संबोधन शुरू करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हम सबने सुना है कि जहां दूध दही का खाना, वैसा है अपना हरियाणा। हरियाणा के लोगों ने फिर कमाल कर दिया है और कमल-कमल कर दिया है। आज नवरात्रि का छठा दिन है। मां कात्यायनी की आराधना का दिन है। मां कात्यायनी शेर पर विराजमान होकर हाथ में कमल को धारण किए हुए हम सभी को आशीर्वाद दे रही है। ऐसे पावन दिन हरियाणा में तीसरी बार लगातार कमल खिला है। गीता की धरती पर सत्य को जीत हुई है। गीता की धरती पर विकास की जीत हुई है। गीता की धरती पर सुशासन की जीत हुई है। हर जाति, हर वर्ग के लोगों ने हमें वोट दिया है।

पर किए गए मॉक पोल, वास्तविक पोल और बैटरी के प्रारंभिक वोल्टेज (8 से 7.5 वोल्ट) पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि आम तौर पर, क्षारीय बैटरी में स्विच ऑफ रखने पर कुछ हद तक अपना वोल्टेज वापस (चार्ज) पाने का गुण होता है।

क्या लगाए थे आरोप?

दरअसल कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मंगलवार को कहा, क्या आप इस साजिश को समझ गए हैं? जहां ईवीएम में 99 प्रतिशत बैटरी थी, वहां भाजपा जीती। जहां 70 प्रतिशत से कम बैटरी थी, वहां कांग्रेस जीती। अगर यह साजिश नहीं है तो क्या है? चुनाव आयोग के सूत्रों ने बताया कि ईवीएम की कंट्रोल यूनिट में एल्केलाइन बैटरी का इस्तेमाल किया जाता है। उन्होंने बताया कि कमीशनिंग के दिन उम्मीदवारों की मौजूदगी में कंट्रोल यूनिट में नई बैटरी डाली जाती है और उसे सील कर दिया जाता है। चुनाव आयोग ने कांग्रेस के आरोप को बताया तथ्यों से परे चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता जयराम रमेश

फिजिक्स में जॉन हॉपफील्ड और ज्योफ्री हिंटन को नोबेल

जॉन हॉपफील्ड और ज्योफ्री हिंटन को मशीन लर्निंग को सक्षम बनाने वाली खोजों के लिए फिजिक्स के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। मंगलवार को उनके नाम की घोषणा की गई। नोबेल समिति ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, "फिजिक्स के लिए इस साल का नोबेल पुरस्कार पाने वाले वैज्ञानिकों ने आज की शांतिशाली मशीन लर्निंग की बुनियाद समझे जाने वाले तरीके विकसित करने के लिए फिजिक्स के उपकरणों का इस्तेमाल किया।" हॉपफील्ड ने प्रिंसटन यूनिवर्सिटी में अपना अनुसंधान किया और हिंटन ने यूनिवर्सिटी ऑफ टोरोंटो में शोध कार्य किया। पिछले साल फिजिक्स का नोबेल पुरस्कार उन तीन वैज्ञानिकों को दिया गया था जिन्होंने सेकेंड के सबसे छोटे हिस्से के दौरान परमाणुओं में इलेक्ट्रॉन का अध्ययन किया। अमेरिका में ओहायो स्टेट यूनिवर्सिटी के फिरेरे अगस्टीनी, जर्मनी में मैक्स प्लांक इंस्टीट्यूट ऑफ कोटम ऑप्टिक्स तथा लुडविग मैक्सिमिलियन यूनिवर्सिटी ऑफ म्यूनिक के फ्रेडरिकोस और स्वीडन रिक्त लुड यूनिवर्सिटी की एने लुडविगे को इस सम्मान से नवाजा गया था। नोबेल पुरस्कार में 1.1 करोड़ स्वीडिश क्रोना की नकद राशि प्रदान की जाती है। यह धन पुरस्कार के संस्थापक स्वीडिश नागरिक अल्फ्रेड नोबेल की संपत्ति में से दिया जाता है जिसका 1896 में निधन हो गया था। नोबेल पुरस्कार विजेताओं को नोबेल की पुण्यतिथि 10 दिसंबर पर सम्मानित किया जाएगा। माइक्रो आरएनए की खोज के लिए अमेरिकी वैज्ञानिकों विक्टर एंजोस और गैरी रुवकुन को चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार प्रदान किये जाने की घोषणा सोमवार को की गई। बुधवार को रसायन विज्ञान और बृहस्पतिवार को साहित्य के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार विजेताओं की घोषणा की जाएगी। शांति के लिए नोबेल पुरस्कार की घोषणा शुक्रवार को और अर्थशास्त्र के लिए यह घोषणा 14 अक्टूबर को की जाएगी।



अब आरजी कर अस्पताल के 50 सीनियर डाक्टर्स ने दिया इस्तीफा

कोलकाता, पीवीएनएन। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में आरजी कर अस्पताल में महिला प्रशिक्षु की रेप के बाद हुई हत्या मामले में बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। अस्पताल के बाहर जूनियर डॉक्टरों का अनशन जारी है। उनके समर्थन में आज 50 सीनियर चिकित्सकों ने भी सामूहिक इस्तीफा दे दिया।

जूनियर डॉक्टरों फंट (डब्ल्यूबीजेडीएफ) महिला डॉक्टर के लिए न्याय और कुछ शीर्ष अधिकारियों को हटाने की मांग को लेकर भूख हड़ताल कर रहे हैं। जूनियर डॉक्टर शनिवार से ही महिला सहकर्मी के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं। उनकी अन्य मांगों में राज्य के सभी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों के लिए एक केंद्रीकृत रेफरल सिस्टम की स्थापना, एक बेड रिकिंग निगरानी प्रणाली का कार्यान्वयन और उनके कार्यस्थलों पर सीसीटीवी, ऑन-कॉल रूम और वॉशरूम के लिए आवश्यक प्रावधान सुनिश्चित करने के लिए टास्क फोर्स का गठन शामिल है। वे अस्पतालों में पुलिस सुरक्षा बढ़ाने, स्थायी महिला पुलिसकर्मियों की भर्ती करने और डॉक्टरों, नर्सों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के रिक पदों को तेजी से भरने की भी मांग कर रहे हैं। आरजी कर अस्पताल के सीनियर डॉक्टरों ने बताया कि सामूहिक इस्तीफे का निर्णय इसलिए लिया गया क्योंकि हमारे बच्चों को बचाने और उनकी समस्या का समाधान करने के लिए प्रशासन की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। इससे पहले आज करीब 15 वरिष्ठ डॉक्टरों ने अपने कनिष्ठ डॉक्टरों के साथ एकजुटता दिखाते हुए सांकेतिक भूख हड़ताल की। जूनियर डॉक्टरों का यह आंदोलन कोलकाता में दुर्गा पूजा उत्सव के दौरान हुआ है। इस जघन्य घटना के कारण राज्य में त्योहार का उत्साह फीका पड़ गया है। पश्चिम बंगाल के मुख्य मंत्रिण मनोज पटेल ने सोमवार को आश्वासन दिया था कि राज्य के मेडिकल कॉलेजों में चल रही 90 प्रतिशत परियोजनाएं अगले महीने तक पूरी हो जाएंगी।



दुल्हन की मार्कशीट देखकर भड़क गया दूल्हा

कौशांबी में एक विवाह समारोह में विवाद हो गया। पुलिस ने आधार कार्ड देखकर कोई कार्रवाई नहीं की लेकिन बाद में दुल्हन की मार्कशीट देखने पर दूल्हा भड़क गया। दूल्हे ने शादी करने से इनकार कर दिया और बरात बिना दुल्हन लौट गई। बताया गया कि यह शादी एक बिचौलिया ने 80 हजार रुपये में तय की थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पश्चिमश्रीरा क्षेत्र के एक गांव में सोमवार की रात वैवाहिक कार्यक्रम के दौरान नाबालिग दुल्हन देख दूल्हा भड़क गया। इसके बाद कार्यक्रम में जमकर हंगामा हुआ। घंटों चली पंचायत के बाद बरात बैंगी लौट गई। सूचना पाकर अपाढ़ा चौकी पुलिस भी पहुंची थी। आरोप है कि पुलिस ने किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं की, जबकि यह शादी एक बिचौलिया ने तय कराई थी।

भाजपा का किला क्यों नहीं भेद पा रही कांग्रेस

चंडीगढ़, पीवीएनएन। हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों का ऐलान बाकी है, लेकिन ताजा आंकड़े भारतीय जनता पार्टी की लगातार तीसरी बार सरकार के संकेत दे रहे हैं। ECI यानी भारत निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार, भाजपा 49 सीटों पर आगे चल रही है। राज्य में बहुमत के लिए 47 सीटों की जरूरत है। राज्य में हुई भाजपा और कांग्रेस की सीधी जंग में विपक्षी दल पिछड़ता नजर आ रहा है। जाट वोटर, अंदरूनी कलह समेत कई वजहें हो सकती हैं।

कांग्रेस को क्यों लगा झटका

अंदरूनी कलह - पार्टी की अंदरूनी कलह और राज्य के शीर्ष नेताओं के बीच तनातनी एक वजह हो सकती है। चुनाव से पहले ही मुख्यमंत्री पद को लेकर भुपेंद्र हुड्डा और सांसद



कुमारी शैलजा के बीच रस्साकशी की खबरें सामने आने लगी थीं। प्रचार से लेकर टिकट वितरण तक में मतभेद की अटकलें लगाई जाती रहीं। कांग्रेस तमाम कोशिशों के बाद भी एकजुट चेहरा पेश नहीं कर सकी।

क्षेत्रीय दल और निर्दलीय-वोट शेयर के मामले में भाजपा से कांग्रेस कुछ आगे है, लेकिन ये आंकड़े सीट में परिवर्तित होते नजर नहीं आए। कई सीटों पर कांग्रेस की बढत का

चुनावी गणित डेरा प्रमुख राम रहीम ने अपने अनुयायियों से भारतीय जनता पार्टी को वोट देने को कहा था

राम रहीम के पैरोल का हरियाणा चुनाव पर क्या रहा असर

चंडीगढ़, पीवीएनएन। हरियाणा में सतराह भाजपा पर 1 अक्टूबर को विपक्षी कांग्रेस और अन्य दलों ने जमकर हमला बोला। वजह थी जेल में बंद डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख गुरमीत राम रहीम को विधानसभा चुनाव से ठीक चार दिन पहले 20 दिन की पैरोल दी गई। चुनाव के वक्त रिहाई को लेकर भाजपा पर बलात्कार और हत्या के दोषी को इलेक्शन में समर्थन दिलाने के लिए पैरोल देने का आरोप लगाया गया। हालांकि, चुनाव के रिजल्ट से यह साफ हो

फायदा प्रमुख पार्टियों को मिला

डेरा समर्थकों के गढ़ माने जाने वाले 28 विधानसभा क्षेत्रों में से 15 पर कांग्रेस, 10 पर भाजपा, दो पर इनेलो और एक पर निर्दलीय उम्मीदवार ने जीत दर्ज की। इन निर्वाचन क्षेत्रों में कांग्रेस को 53.57 प्रतिशत, भाजपा को 35.71 प्रतिशत, इनेलो को सात प्रतिशत और निर्दलीय को 3.57 प्रतिशत वोट मिले। यह एक बड़ा कारण हो सकता है कि हरियाणा कांग्रेस के अधिकांश नेता पैरोल के बारे में ज्यादा मुखर नहीं दिखे।



कभी भाजपा कभी कांग्रेस के साथ

डेरा संप्रदाय ने अकाली दल, भाजपा और कांग्रेस का समर्थन किया है। 2007 के पंजाब विधानसभा चुनावों में डेरा ने कांग्रेस को अपना समर्थन दिया था। 2014 में डेरा सच्चा सौदा ने लोकसभा और विधानसभा चुनावों में भाजपा का समर्थन किया था। 2015 में डेरा ने नई दिल्ली चुनावों में भाजपा का खुलकर समर्थन किया था। संप्रदाय ने 2015 के बिहार चुनावों में भी भाजपा का समर्थन किया था।

रिपोर्ट्स का दावा है कि सत्संग के दौरान यह संदेश बड़ी चतुराई से दिया गया था, जिसमें प्रत्येक अनुयायी से बूथ पर कम से कम पांच मतदाताओं को लाने को कहा गया था। यह अज्ञात है कि गुरमीत राम रहीम इस सत्संग की वयुअल मेजबानी कर रहे थे या नहीं, क्योंकि चुनाव आयोग ने उन पर आंनलाइन प्रचार या सत्संग आयोजित करने पर प्रतिबंध लगा दिया था। एक तथ्य जो साबित करता है कि डेरा अनुयायियों ने चुनावों में भाजपा की मदद की,

वह शाह सतनाम पुरा में दो मतदान केंद्रों के परिणाम हैं, जहां सिरसा में डीएसएस मुख्यालय स्थित है। कांग्रेस उम्मीदवार से सिरसा चुनाव हारने वाले एचएलपी उम्मीदवार गोपाल कांडा को कुल 1,415 वोटों में से 1233 वोट मिले। डेरा सूत्रों के अनुसार अनुयायियों की संख्या 1.25 करोड़ है। डेरा सच्चा सौदा का राजनीतिक प्रभाव इसके उच्च जाति के अनुयायियों के अलावा कई निम्न जाति के अनुयायियों से भी जुड़ा है।

इन सीटों पर कांग्रेस की जीत

फतेहाबाद, कैथल, कुरुक्षेत्र, सिरसा, करनाल और हिसार सहित हरियाणा के छह जिलों की 28 विधानसभा सीटों के मामले में कांग्रेस को भाजपा से अधिक फायदा हुआ। कांग्रेस ने फतेहाबाद, रतिया, टोहाना (जहां डेरा अनुयायियों की सबसे ज्यादा संख्या है), कैथल, शाहकाद, थानेसर, पेहोवा, कलमवाली, सिरसा, ऐलानाबाद, आदमपुर, उकलाना और नारनौद में जीत दर्ज की।

छोटी खबर/ बड़ा असर

रोगी कल्याण समिति की बैठक आज

पब्लिक वाणी, रीवा। जिला चिकित्सालय रीवा की जिला रोगी कल्याण समिति की कार्यकारिणी समिति की बैठक 9 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की जा रही है। बैठक सुबह 11 बजे आरंभ होगी। बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल रोगी कल्याण समिति के संचालन अय-व्यय तथा जिला अस्पताल से जुड़े एजेण्डा बिन्दुओं की समीक्षा करेंगी। सिविल सर्जन डॉ एमएल गुप्ता ने समिति के सभी सदस्यों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया है।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 14 दिसंबर को

पब्लिक वाणी, रीवा। राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन आगामी 14 दिसंबर को किया जायेगा। राष्ट्रीय लोक अदालत में आपसी सुलह समझौते के आधार पर न्यायालयीन प्रकरणों का निराकरण किया जाता है। उल्लेखनीय है कि वर्ष में चार लोक अदालतों का आयोजन किया जाता है इसी श्रृंखला में वर्ष की अंतिम लोक अदालत 14 दिसंबर को आयोजित की जायेगी।

रीजनल इन्डस्ट्रियल कानक्लेब की तैयारी बैठक 10 को

पब्लिक वाणी, रीवा। कलेक्टर प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में रीवा में आयोजित होने वाले रीजनल इन्डस्ट्रियल कानक्लेब की तैयारी बैठक आगुत की गई है। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में 10 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से आयोजित बैठक में संबंधित विभागीय अधिकारियों उपस्थिति में उद्यमियों तथा नवीन निवेशकों की अपेक्षाओं एवं समस्याओं पर चर्चा की जायेगी। संबंधितों में नियत समय पर उपस्थिति के निर्देश दिये गये हैं।

जिले में 11 अक्टूबर को रहेगा स्थानीय अवकाश

पब्लिक वाणी, रीवा। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने रीवा जिले में आगामी 11 अक्टूबर को स्थानीय अवकाश घोषित किया है। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के अनुसार 11 अक्टूबर को महाअष्टमी तथा महानवमी के अवसर पर स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। यह अवकाश कोषालय उप कोषालय तथा बैंकों पर लागू नहीं होगा।

कलेक्टर के निर्देश पर खाद्य प्रतिष्ठानों में हुई जांच की कार्यवाही



प्रतिष्ठानों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया

पब्लिक वाणी, रीवा मिलावट से मुक्ति अभियान के अंतर्गत कलेक्टर प्रतिभा पाल के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा चलायी जा रही खाद्य प्रतिष्ठानों की जाच की कार्रवाई के अंतर्गत आज रीवा जिले के जवा रायपुर कर्चुलियान सेमिरया में कार्रवाई की गई। रीवा शहर में कार्रवाई के दौरान सबसे पहले गल्ल मंडी स्थित होलसेल किराना दुकान शंकर ट्रेडर्स की जाँच की गई एवं फलाहार के लिए विक्रय हो रहे सेंधा नमक शंख ब्रांड का नमूना जाँच हेतु लिया गया। अमहिया क्षेत्र में सफारी होटल के सामने खुले में बिक रहे एवं निर्माण कर रहे दो नमकीन प्रतिष्ठान चौरसिया नमकीन एवं हरिओम नमकीन की जाच की गई।

दुकानों में पाई गई गंदगी

जाँच के दौरान दोनों प्रतिष्ठानों में नमकीन अत्यंत गंदगी में बनाते पाया गया। नमकीन को रोड पर खुला रखकर विक्रय किया जा रहा था जिससे रोड की धूल मक्खिया से नमकीन दूषित हो रहा था। नमकीन निर्माण के लिए जो पानी



का इस्तेमाल किया जा रहा था वह भी स्वच्छ नहीं पाया गया। दोनों प्रतिष्ठानों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। जवा क्षेत्र में क्षमा मिश्रान भंडार से लड्डू एवं पेड़े के नमूने लिए गए तथा राज किराना से साबुदाना एवं खाद्य तेल के नमूने जाँच हेतु लिए गए। सहमति के क्षेत्र में माँ शारदा किराना स्टोर से साबुदाना मूंगफली सेंधा नमक सिंघाड़ा आटा के नमूने जाँच हेतु लिए गए हैं। रायपुर कर्चुलियान क्षेत्र में अशोक किराना से साबुदाना सूजी एवं शकर के नमूने लिए गए। कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमरीश दुबे रश्मि शुक्ला शकुंतला मिश्रा इंडजीत सिंह सम्मिलित रहे।



दुकानदारों द्वारा खाद वितरण की कड़ी निगरानी करें। खाद और बीज के नमूने लेकर इनकी नियमित रूप से जाँच करें। अमानक नमूने पाए जाने पर कड़ी कार्यवाही करें। जल संसाधन विभाग की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने कहा कि संभाग के जिन तालाबों तथा स्टॉपडेम में अच्छी वर्षा के बावजूद पानी का संचय नहीं हुआ है मुख्य अभियंता उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करें। इनके दोषी तकनीकी अधिकारियों पर जिम्मेदारी निर्धारित कर कार्यवाही प्रस्तावित करें। कमिश्नर ने बैठक से बिना सूचना अनुपस्थित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस देने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि 23 अक्टूबर को रीजनल इंडस्ट्रियल कौनक्लेब में उद्योग कृषि उद्यानिकी पशुपालन खाद्य प्रसंस्करण तथा अन्य संभावित उद्यमों की स्थापना के लिए निवेश प्रस्तावों को पोर्टल पर अपलोड कराएं। अब तक लगभग 1300 करोड़ रुपए के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इसके आयोजन के लिए कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में आवश्यक प्रबंध करें। मुख्य अभियंता विद्युत वितरण कंपनी बिजली लाइनों में सुधार तथा खराब ट्रांसफार्मर सुधारने के कार्य प्राथमिकता से कराएं। सिंचाई शुरू



होते ही बिजली की माँग तेजी से बढ़ेगी। बिजली की समुचित आपूर्ति के लिए व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग विकासखण्ड स्तर तक संयुक्त बैठकें आयोजित करके महिलाओं तथा बच्चों के कल्याण की योजना का प्रभावी क्रियान्वयन करें। क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सभाी जिलों में नवम्बर माह में स्वेच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन कराएं। सभी स्वस्थ अधिकारी और कर्मचारी भी इन शिविरों में रक्तदान करें। स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए भी रक्तदान करना आवश्यक



है। कमिश्नर ने कहा कि उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग प्रत्येक छात्रावास के लिए नोडल अधिकारी तैनात कर हर माह छात्रावासों का निरीक्षण कराएं। उनकी निरीक्षण रिपोर्ट प्राप्त कर उस पर समुचित कार्यवाही करें। कमिश्नर ने कहा कि संभाग में तीन सौ से अधिक पेंशन प्रकरण लंबित हैं। सभी कार्यालय प्रमुख 21 अक्टूबर तक सेवानिवृत्त कर्मचारियों के पेंशन प्रकरण अनिवार्य रूप से पेंशन कार्यालय में दर्ज करा दें। समय सीमा का पालन न करने पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। विभागीय जाच के कारण जो पेंशन प्रकरण

लंबित हैं उनमें दो माह में विभागीय जाँच पूरी करके प्रकरण दर्ज कराएं। कमिश्नर ने कहा कि संभाग में राजस्व खाद्य ग्रामीण विकास विभाग पीएचई महिला एवं बाल विकास

विभाग वित्त विभाग तथा अन्य कई विभागों में सीएम हेल्पलाइन के हजारों प्रकरण लंबित हैं। इनके निराकरण के लिए विशेष प्रयास करें। बैठक में कमिश्नर ने हैण्डपंपों के

सुधार पेयजल स्रोतों के शुद्धीकरण निर्माण कार्यों के लिए वन भूमि में अनुमति के प्रस्तावों तथा मछली पालन के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर एवं प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सपना त्रिपाठी उपायुक्त दिव्या त्रिपाठी मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग संजय खाण्डे मुख्य अभियंता विद्युत मण्डल आईके त्रिपाठी क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ कैएल नामदेव संयुक्त संचालक शिक्षा एसके त्रिपाठी संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास ऊषा सिंह सोलंकी संयुक्त संचालक पशुपालन डॉ राजेश मिश्रा संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे क्षेत्रीय संचालक उच्च शिक्षा आरपी सिंह तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कमिश्नर ने जन सुनवाई में की प्रकरणों की सुनवाई

पब्लिक वाणी, रीवा। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित जन सुनवाई में रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने आमजनता के आवेदनों में सुनवाई की। कमिश्नर ने दो महिलाओं के आगनवाड़ी कार्यकर्ता के भर्ती के संबंध में दिए गए आवेदनों पर संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास को कार्यवाही के निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि सभी अधिकारी जन सुनवाई के आवेदन पत्रों का तत्परता से निराकरण करके प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। जिलाधिकारियों को प्राप्त जन सुनवाई के आवेदन एवं अन्य आवेदनों के निराकरण की भी नियमित रूप से समीक्षा करें। जन सुनवाई में राशनकार्ड बनाते पेंशन पेयजल व्यवस्था सहित विभिन्न आवेदनों में सुनवाई की गई।



महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुलिस की नई पहल : कोड रेड अभियान का हुआ शुभारंभ पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

यह पहल महिलाओं की सुरक्षा के प्रति पुलिस की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है

पब्लिक वाणी, रीवा जिले और शहर में बढ़ती छेड़खानी और चाकूबाजी की घटनाओं पर लगातार लगाने के उद्देश्य से पुलिस ने एक विशेष अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान का उद्घाटन पुलिस महानिरीक्षक महेंद्र सिंह सिक्करवार ने रीवा जोन से कोड रेड टीम को हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर उप पुलिस महानिरीक्षक साकेत प्रकाश पाण्डेय और पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह भी उपस्थित थे। कोड रेड अभियान का मुख्य उद्देश्य



महिलाओं की सुरक्षा को सुनिश्चित करना है, विशेषकर उन स्थानों पर जहां महिलाओं का आवागमन अधिक होता है, जैसे स्कूल, कॉलेज और सार्वजनिक स्थल।

टीम को सुरक्षा कवच पहनाकर तैनात किया गया है, ताकि वे किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई कर सकें। इस अभियान के तहत एक हेल्पलाइन

नंबर भी जारी किया गया है, जिस पर कोई भी महिला या व्यक्ति छेड़खानी या आपराधिक घटना की सूचना दे सकता है। सूचना मिलने पर कोड रेड टीम तुरंत मौके

पर पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार करेगी और कानून के तहत उचित कार्रवाई करेगी। इसके अलावा, संवेदनशील स्थानों पर नियमित गश्त भी की जाएगी। पुलिस ने यह भी आश्वासन दिया है कि शिकायतकर्ता और पीड़ित का नाम पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा, ताकि उनकी सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सके। यह पहल महिलाओं की सुरक्षा के प्रति पुलिस की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस अभियान का विस्तार रीवा और मऊजंग जिलों में किया गया है, जिससे वहां की महिलाओं को भी सुरक्षा प्रदान की जा सकेगी, पुलिस की इस नई पहल से महिलाओं की सुरक्षा को एक नई दिशा मिलेगी और अपराधियों के खिलाफ कड़ा संदेश जाएगा।

समाधान आनलाइन के चयनित विषयों के विभागीय अधिकारियों की बैठक आज

पब्लिक वाणी, रीवा। आगामी 28 अक्टूबर को समाधान आनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कलेक्टर प्रतिभा पाल द्वारा समाधान में चयनित विषयों के संबंध में विस्तृत समीक्षा की जायेगी। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में यह बैठक शाम 5 बजे से आयोजित की गई है। बैठक में संबंधित अधिकारियों को अद्यतन जानकारी के साथ उपरिस्थित के निर्देश दिये गये हैं। इस दौरान समस्त एसडीएम, तहसीलदार व नायब तहसीलदार आनलाइन जुड़ेंगे।

राष्ट्रीय डाक सप्ताह के अवसर पर स्पेशल कवर जारी किया गया

पब्लिक वाणी, रीवा

राष्ट्रीय डाक सप्ताह का आयोजन 7 से 11 अक्टूबर तक किया जा रहा है। इस दौरान डाक सेवाओं में हुए नवाचारों के बारे में जागरूकता और ग्राहक आधार का विस्तार करने संबंधित कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसी क्रम में 8 अक्टूबर को फिलोटेली दिवस मनाया गया। इस अवसर पर पुर्वा जलप्रपात पर विशेष आवरण (सेशल कवर) का अनावरण सांसद जनार्दन मिश्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राष्ट्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में भारतीय डाक की बढ़ती भूमिका को दृष्टिगत रखते हुए डाक विभाग द्वारा राष्ट्रीय डाक सप्ताह का आयोजन किया जाता है। पुर्वा जल प्रपात हेतु डाक विभाग द्वारा जो पहल की गयी है वह रीवा के पर्यटन के विकास एवं उनके



प्रचार-प्रसार के लिए अभिनव पहल है। इस अवसर पर उन्होंने प्रधान डाकघर परिसर में पौधा भी रोपित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डाक अधीक्षक एस के राठौर ने कहा कि डाक सप्ताह के दौरान हर दिन को एक विशेष उत्पाद या सेवा के तौर पर मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय डाक सप्ताह का उद्देश्य आमजन के

दैनिक जीवन व्यापार और सामाजिक व आर्थिक विकास में डाक सेवाओं की भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। कार्यक्रम में प्रदीप गौतम सुमन सहित डाक विभाग के ग्रामीण डाक सेवक एवं अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन रजनीश कुमार तिवारी पोस्ट मास्टर प्रधान डाकघर द्वारा किया गया।

जनसुनवाई कलेक्ट्रेट में आयोजित हुई जनसुनवाई

जिला शिक्षा अधिकारी को मौके पर जाकर कार्यवाही करने के दिये गये निर्देश

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों ने केन्द्रीय पुस्तकालय के नियमित खुलने का दिया आवेदन

पब्लिक वाणी, रीवा कलेक्ट्रेट में आयोजित होने वाली जनसुनवाई में आज 80 आवेदकों ने अपनी समस्यायें बताईं। संबंधित अधिकारियों को समाधान कारक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देश दिये गये। कलेक्ट्रेट में संयुक्त कलेक्टर डॉ अनुराग तिवारी एवं तहसीलदार हुजूर शिवशंकर शुक्ला ने लोगों की समस्यायें सुनीं। जनसुनवाई में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले शुभम कुशवाहा दुर्गा



शुक्ला मंगलेश्वर साकेत आदि ने केन्द्रीय पुस्तकालय के नियमित खुलने से संबंधित आवेदन दिया जिस पर जिला शिक्षा अधिकारी को मौके पर जाकर परीक्षण कर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। ड्यूटी निवासी तरुणेंद्र मिश्रा

राजनाथ मिश्रा तथा राममिलन मिश्रा ने चोरहट्टा से तहरा वाईपास सड़क के सर्वे की विसंगति से संबंधित आवेदन दिया जिसे तहसीलदार हुजूर को परीक्षण करने हेतु प्रेषित किया गया। अतरेला निवासी राममिलन के



आदेश की नकल दिलाये जाने के आवेदन को तहसीलदार जवा को तथा चोरहट्टी वार्ड क्रमांक 4 निवासी राजेश साकेत के पानी की समस्या के आवेदन पर तहसीलदार हुजूर को निराकृत किये जाने हेतु निर्देश किये गये।

मौहरिया निवासी रामाश्रय तिवारी के नकल दिलाये जाने के आवेदन तमरा बांसी निवासी लालमणि नामदेव के बिजली बिल सुधार के आवेदन तथा पहड़िया निवासी रामनिवास कोल के हैण्डपंप सुधार के आवेदन को संबंधित विभागीय

अधिकारियों को कार्यवाही करने हेतु प्रेषित किया गया। इसी प्रकार गुढ़ निवासी पार्वती चिकवा ने संबल योजना का लाभ दिलाने का आवेदन किया जिसे नगर परिषद के सीएमओ को कार्यवाही करने तथा विश्वेश्वर द्विवेदी ढेकहा के स्वीकृत नक्शे से अधिक भूमि में भवन निर्माण के आवेदन को नगर निगम रीवा को प्रेषित कर कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देश दिये गये। राजकुमार सिंह बौसड़ निवासी के सीमांकन कराने के आवेदन को तहसीलदार जवा को तथा तमरा बांसी के मनीश कोरी के खाद्यान्न प्रदाय कराने के आवेदन को खाद्य अधिकारी को कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। जनसुनवाई में विभिन्न विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

गरबा में राजस्थानी और गुजराती वेशभूषा में ढी प्रस्तुति



गरबा की 23 टीमों दे रहीं प्रस्तुति

पब्लिक वाणी, रीवा। हिंदू उत्सव समिति धर्म परिवार द्वारा कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में आयोजित 6 दिवसीय गरबा महोत्सव में शामिल डीसेंट डॉस, शाईनिंग, बादल एंड बादल, हिमालय, सत्यम डॉस, स्टार्शिश, जय माता दी, आरकेडीसी ग्रुप सहित 23 टीमों के कलाकारों ने राजस्थानी और गुजराती वेशभूषा में आकर्षक प्रस्तुति देकर उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी प्रहलाद सिंह, संजय गांधी अस्पताल के अधीक्षक डॉ राहुल मिश्रा, कैट के प्रदेश उपाध्यक्ष महेश ठरवानी, पूर्व प्राचार्य राजेंद्र सिंह, समाजसेवी राकेश सिंह, डाक अधीक्षक रीवा एस के राठौर ने उपस्थित रह कर गरबा कलाकारों का

उत्साहवर्धन किया। अतिथियों ने शानदार गरबा महोत्सव के लिए समिति अध्यक्ष गुरमीत सिंह मंगू व उनके टीम को बधाई दी। और कहा कि गरबा नृत्य के माध्यम से जिस भक्ति भाव में कलाकारों द्वारा मां की आराधना की जाती है उससे शहर व जिले में अमन चैन का माहौल है। एजीएमएच के अधीक्षक डॉ राहुल मिश्रा ने भजन की प्रस्तुति दी। मनगवां विधायक इंजी.नरेंद्र प्रजापति सपरिवार पहुंचे और आयोजन के लिए बधाई दी। अतिथियों का स्वागत करते हुए धर्म परिवार के अध्यक्ष गुरमीत सिंह मंगू ने कहा कि आजीवन संरक्षक नारायण डिगवानी के मार्ग दर्शन में गरबा महोत्सव प्रतिवर्ष नई ऊंचाइयों को छू रहा है। कार्यक्रम का संचालन नगर अध्यक्ष अनिल मिश्रा, श्रीप्रकाश तोमर व सांस्कृतिक सचिव राजीव वर्मा गुड्डु ने किया।

ब्रम्हाकुमारी में सजी नौ देवियों की चैतन्य झांकियां

रीवा। शांतिधाम ब्रम्हाकुमारी आश्रम में 1990 से नवरात्रि पर्व का आयोजन किया जा रहा है। यहा प्रतिदिन नौ देवियों की चैतन्य झांकियां सजाई जाती है। जबकि 10 वीं माता कालिका की झांकी भी बनाई जाती है। सभी कार्यक्रम मुख्य संचालिका राजयोगिनी निर्मला दीदी के मार्गदर्शन में किए जाते हैं।



छोटी खबर/ बड़ा असर



मऊगंज जिला मुख्यालय स्थित पुराने बस स्टैंड में विराजी मातायानी, राजा मनमोहनक दरबार।

नईगढ़ी में रोजगार मेला आज

पब्लिक वाणी,मऊगंज। शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नईगढ़ी में 9 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे से दोपहर बाद 3 बजे तक रोजगार मेला आयोजित किया गया है। रोजगार मेला मध्यप्रदेश संकल्प योजना के तहत आयोजित किया जा रहा है, जिसमें जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में 6 कंपनियों एवं नियोजकों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों हेतु युवक एवं युवतियों की आयु सीमा 18 से 48 वर्ष के बीच निर्धारित की गई है। आयु सीमा विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग होगी। वेतन एवं भत्ते 8 हजार 500 रुपए से 25 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है। युवाओं को अपने साथ मूल अंकसूची तथा निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी रोजगार कार्यालय का जीपित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा।

नवोदय विद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन 30 तक

पब्लिक वाणी, मऊगंज। जवाहर नवोदय विद्यालय में सत्र 2025-26 के लिए कक्षा नवी एवं ग्यारहवीं में रिक्त स्थानों में प्रवेश के लिए आवेदन 30 अक्टूबर 2024 तक किया जा सकता है। इसके लिए चयन परीक्षा 8 फरवरी 2025 को निर्धारित परीक्षा केन्द्र में आयोजित की जाएगी। इस संबंध में प्राचार्य नवोदय विद्यालय मन्मथ कुमार तिवारी ने बताया कि कक्षा नवी में प्रवेश के लिए आवेदक को जिले का मूल निवासी तथा वर्ष 2024-25 सत्र में शासकीय अथवा मान्यता प्राप्त स्कूल से कक्षा आठवीं में अध्ययनरत होना चाहिए। उसकी जन्मतिथि एक मई 2010 से 31 जुलाई 2012 के बीच होना चाहिए। इसी तरह कक्षा ग्यारहवीं के लिए विद्यार्थी को शैक्षणिक सत्र 2024-25 में जिन जिलों में नवोदय विद्यालय है ऐसे किसी भी जिले के शासकीय अथवा मान्यता प्राप्त स्कूल में कक्षा 10वीं में अध्ययनरत होना चाहिए। उसका जन्म एक जून 2008 से 31 जुलाई 2010 के बीच का होना चाहिए। परीक्षा के आवेदन पत्र तथा पंजीयन के लिए नवोदय विद्यालय की वेबसाइट नवोदय डॉट जीओभी डॉट इन पर पूरी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

तुलसी साहित्य अकादमी ने

युवा कवि सिद्धार्थ को किया सम्मानित



पब्लिक वाणी, रीवा

तुलसी साहित्य अकादमी ने रीवा के युवा कवि सिद्धार्थ श्रीवास्तव को उत्कृष्ट साहित्य सेवा हेतु कटनी में आयोजित साहित्यिक अनुष्ठान में सम्मानित किया है, सिद्धार्थ को यह सम्मान तुलसी साहित्य अकादमी जबलपुर संभाग की संभागीय अध्यक्ष डॉ प्रतिभा पटेल वरिष्ठ राजनेता अशोक विश्वकर्मा एवं मैहर की प्रतिष्ठित साहित्यकार मधु जैन ने प्रदान किया उक्त आशय की जानकारी युवा कवि अभिनव सिंह बघेल ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में अन्य जो कवि एवं साहित्यकार उपस्थित रहे उनमें प्रमुख रूप से वरिष्ठ कवि सुरेश सौरभ पन्ना, कवयित्री प्रमिला किरण टाटारसी, मधु जैन मैहर, सानू राय कटनी आदि शामिल हैं। विदित हो कि सिद्धार्थ श्रीवास्तव ने तीन वर्ष की अल्प आयु से काव्य पाठ करना प्रारंभ किया था और अपने साहित्यिक गुरु सुभाष श्रीवास्तव के साथ 26 वर्षों में पूरे देश भर में साहित्यिक यात्राएं की, स्वयं भी साहित्यिक आयोजन किये! कवि सम्मेलन एवं कवि गोष्ठियां आहुत की और कोरोना काल में जब ऑफलाइन कार्यक्रम नहीं हो रहे थे तब 200 दिन लगातार अपने

फेसबुक पेज शायर सिद्धार्थ श्रीवास्तव में कवियों शायरों को आमंत्रित किया ताकि साहित्यिक गतिविधियों में विराम ना लगे सिद्धार्थ श्रीवास्तव को सम्मानित किए जाने पर समाजसेवा एवं साहित्य जगत के जिन महत्वपूर्ण लोगों ने शुभकामनाएं देते हुए हर्ष व्यक्त किया है उनमें प्रमुख रूप से जन अभियान परिषद के उा निदेशक अमिताभ श्रीवास्तव संभागीय समन्वयक प्रवीण पाटक विकासखंड समन्वयक रीवा अमित अवस्थी समाजसेवी शोभनाथ गुप्ता सुरेश विश्वनोई विक्रांत द्विवेदी कोशलेश मिश्रा संकल्प परीहा शशि मिश्रा सुजीत द्विवेदी लईक खान वरिष्ठ समालोचक डॉ चंद्रिका चंद्र वरिष्ठ रचनाकार गिरिजा शंकर शुक्ल गिरीश वरिष्ठ साहित्यकार एवं सिद्धार्थ के गुरु सुभाष श्रीवास्तव वरिष्ठ कवि दुर्गा प्रसाद चतुर्वेदी, वरिष्ठ पत्रकार जयराम शुक्ला वरिष्ठ साहित्यकार जनजीवन लाल तिवारी कवि रामसुन्दर द्विवेदी रामलखन केवट जलेश डॉ राजेन्द्र गुप्ता बैकुण्ठपुरी अनिल अयान जानकी प्रसाद पांडेय साकेत श्रीवास्तव, शुभम शर्मा अनिल सागर दिशेश तिवारी शिवांशु तिवारी एवं हिमांशु तिवारी आदि शामिल हैं।

पढ़ाई एवं खेलकूद की उम्र में कचरा व पन्नी विनते एवं होटलों में काम करते दिख रहे हैं बच्चे

पब्लिक वाणी, मऊगंज

प्रदेश सरकार ने बीते वर्ष में सड़क पर रहने वाले बच्चों के लिए पुनर्वास नीति बनाई थी। जिसमें प्रावधान किया गया था की बाल मजदूरी भिक्षावृत्ति करने वाले, कूड़ा बिनने, पन्नी बिनने वाले, श्रम करने वाले, गरीबी और अन्य विपरीत परिस्थितियों के कारण सड़क में रहने वाले बच्चों का सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। उन्हें विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित कर बच्चों का संरक्षण भरण पोषण एवं सम्प्र पुनर्वास की व्यवस्था की जाएगी। उन्हें मुख्य धारा से जोड़ने का काम किया जाएगा। किंतु इस नीति के प्रभावों होने के बाद सड़कों में जीवन यापन करने वाले बच्चों में कोई कमी दिखाई नहीं दिखती पता नहीं शासन की यह योजना किस लोक में संचालित हो रही है। और इस योजना के नाम पर क्या-क्या खाना पूर्ति की जा रही है।

इस तरह थे उद्देश्य

इस नीति को लागू करने के लिए जो उद्देश्य थे, उनमें कहा गया था कि



सर्वे चिन्हांकन एवं रेस्क्यू पर सवाल

इस नीति के अनुसार ऐसे बच्चों की ग्रामीण शहरी कस्बाई नगर पंचायत और नगर पालिका सहित सभी क्षेत्रों में पहचान की जा रही थी। इसके चिन्हांकन के लिए सर्वेक्षण किया जाना था। सर्वे दलों का गठन किया जाना था। विभिन्न शासकीय विभाग को सहित सामाजिक संगठनों को भी शामिल किया जाना था। प्रमुख धार्मिक स्थानों, पर्यटन, ऐतिहासिक स्थलों के लिए विशेष दलों का गठन किया जाना था। मैप में ऐसे थैंटस्टॉप एवं आशंका ग्रस्त स्थलों का चिन्हांकन किया जा रहा था। यहां अधिक संख्या में सड़कों में बच्चे पाए जाने की स्थिति भी यह जानकारी बाल स्वराज पोर्टल में दर्ज कराई जानी थी। डाटा तैयार होने के बाद ऐसे बच्चों के परिवारों को भी समझाव देकर उनका प्रावधान किया गया था। निराश्रित, परित्यक्त,शोषण के शिकार एवं बाल तस्करी के में शामिल बच्चों का रेस्क्यू भी किया जाना था। उन्हें संरक्षण प्रदान किया जाना था। किंतु ऐसा होता दिखाई नहीं दे रहा है। कई बार चोरियों में ऐसे बच्चों के नाम भी प्रकाश में आते हैं। जो कम आयु में होते हैं जो गरीब होते हैं।

सड़क में जीवन यापन करने वाले बच्चों का चिन्हांकन किया जाएगा। उसका अभिलेखीकरण किया जाएगा। उन बच्चों को देखभाल व सुरक्षा की जाएगी। इसके लिए विधिवत कार्य योजना तैयार की जाएगी। मुख्य धारा से जोड़कर उनके सर्वांगीण विकास किया जाएगा जीवन उपयोगी सुविधा दी जाएगी उनकी पहचान कर पुनर्वास की व्यवस्था होगी। पुनर्वास के लिए

उच्च मॉनिटरिंग भी होगी विभागों की भूमिका सुनिश्चित की जाएगी पुनर्वास के लिए कार्य योजना तैयार की जाएगी किंतु जब से इस नीति का लागू नहीं किया गया। तब से अब तक में कितने बच्चों को चिन्हित किया गया। कितने बच्चों को मुख्य धारा से जोड़ा गया उन्हें कहाँ रखा जाता है। कौन सा स्थान सुनिश्चित किया गया है। मनीटरिंग कौन लोग कर रहे हैं और कार्य योजना के

नीति में तो बहुत कुछ, किंतु जमीन में कितना हुआ

सवाल तो है कि सड़क पर रहने वाले बच्चों के लिए नीति 2022 तो बना दी गई किंतु उसका क्र्यावदन कितना हुआ शासन की तरफ से इस नीति को लागू करने के लिए बजट प्रावधान कितना किया गया। और बच्चों को मुख्य धारा में शामिल होने के लिए किस स्तर तक प्रयास हुए कितने बच्चों का पुनर्वास किया गया। इसकी कोई जानकारी अभी तक प्रकाश में नहीं आई कामजों में खानापूर्ति के लिए हो सकता है। कि बहुत कुछ दिखाई जा चुका हो किंतु जिस तरह से जगह जगह बाल श्रमिक काम करते हुए दिखाई देते हैं जिस तरह से भोज मांगते हुए और कचरो के ढेर में पन्नी व प्लास्टिक आदि को बिनते हुए बच्चे दिखाई देते हैं उनको देखते हुए ऐसा नहीं लगता कि उन बच्चों की पहचान की गई होगी और उनके परिवारों को समझाया गया होगा अन्यथा कुछ ना कुछ तो सुधार होता दिखाई देता कई ऐसे बच्चे दिखाई देते हैं जो बीड़ी सिगरेट फुलते रहते हैं। सामाजिक रूप से देखा जाए तो यह बड़ी जिम्मेदारी है। यहां संबंधित विभागों को अपने दायित्वों का निर्माण करना चाहिए किंतु दुर्भाग्य का विषय यही है कि जब कोई योजना फाड़लें तक सीमित हो जाती है तो वह केवल दिखाने के लिए होती है वह केवल जनता को मूर्ख बनाने की और भ्रमित करने तक सीमित हो जाती है।

परिवारों से एक बंधनप्र लिया जाना था। जिनमें उन्हें स्कूल भेजने परिवार में रखना नशा न करने आदि कि परामर्श भी शामिल किया गया था। चिन्हांकित एवं रेस्क्यू किए गए बच्चों की स्वास्थ्य जांच परामर्श चिकित्सीय उपचार आदि के उपरांत बाल कल्याण समिति द्वारा उन्हें बाल देखरेख संस्था या नशा मुक्ति केंद्र में भी रखने का आदेश दे सकती थी। बाल कल्याण समिति को यह अधिकार भी दिए गए थे। कि वह संरक्षण में रखे गए बच्चों की स्थिति तथा परिचित के अनुसार बाल देखरेख योजना केव्हत उनके केस हिस्ट्री भी तैयार करवा सकती थी किंतु यह सब प्रावधान होने के बाद यहां इस मामले में कितना कार्य हुआ यह अज्ञात के अंधेरे में चला गया है।

कहां हैं बाल कल्याण समिति

नीति के अनुसार ऐसे बच्चों की जानकारी बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत की जानी थी बाल कल्याण समिति द्वारा ऐसे बच्चों के

गणेश धाम बरांव मंदिर में चोरी

पब्लिक वाणी, मऊगंज। मऊगंज जिले में चोरियों का दौर रुकने का नाम नहीं ले रहा है। हाल ही में नईगढ़ी की के अंदर बने तीन मंदिरों में हुई 32 लाख से अधिक सोने चांदी की चोरी का खुलासा हो नहीं पाया था कि मऊगंज जिला मुख्यालय से महज 8 किलोमीटर दूर स्थित शाहपुर थाना क्षेत्र के गणेश धाम बरांव मंदिर में बदमाशों ने घावा बोलकर भगवान के मुकुट सहित अन्य सामग्री उठा ले गए। बताया गया है कि बदमाशों द्वारा जिस समय मंदिर में चोरी की घटना को अंजाम दिया उस दौरान की फुटेज सीसीटीवी कैमरे में कैद है। फिलहाल मंदिर के पुजारी की शिकायत पर शाहपुर थाना पुलिस घटनास्थल का मौका मुआयना कर चोरी की घटना को जांच में लिया है।

जेवरात साफ करने के नाम पर महिला के साथ हुई 6 लाख की ठगी

पब्लिक वाणी, रीवा। शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के चिकन टोला में ठगी की एक चौकाने वाली घटना सामने आई है, मंगलवार की दोपहर करीब 1 बजे बाइक पर सवार होकर आए दो युवकों ने जेवरात साफ करने के बहाने से लगभग 6 लाख रुपये से अधिक के कीमती गहने चुरा लिए और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामले की गम्भीरता को देखते हुए तत्काल जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश में जुट गई है, घटना का शिकार हुई चिकन टोला निवासी रज्जो अंसारी ने बताया कि दो युवक अचानक उनके घर पर पहुंचे और बर्तन एवं जेवरात साफ करने की पेशकश करने लगे। पहले तो रज्जो ने कुछ बर्तन साफ करने के लिए



दिए जिन्हें युवकों ने सही ढंग से साफ किया। इसके बाद उन्होंने जेवरात साफ करने की बात कही। महिला ने पहले पायल दी, जिसे साफ करने के बाद युवकों ने और जेवरात की सफाई की पेशकश की, रज्जो ने सोने का हार, अंगूठी, चेन सहित अन्य कीमती गहने युवकों को साफ करने के लिए दे दिए, जब युवकों ने गहनों की सफाई के लिए गर्म पानी लाने की मांग की, तो रज्जो पानी गर्म करने के लिए रसोई

में चली गई। थोड़ी देर बाद जब वह वापस लौटीं, तो दोनों युवक जेवरात समेत फरार हो चुके थे, घटना के तुरंत बाद रज्जो अंसारी ने सिटी कोतवाली पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना का निरीक्षण किया और तुरंत ही दोनों आरोपियों को खोजबीन शुरू कर दी। फिलहाल, पुलिस क्षेत्र के सभी सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि बाइक सवार ठगों का कोई सुराग मिल सके।

ठगों ने करीब 6 लाख के गहनों पर किया हाथ साफ : इस ठगी की वारदात में आरोपियों ने सोने का हार, अंगूठी, चेन सहित अन्य कीमती गहने, जिनकी कुल कीमत लगभग 6 लाख रुपये आंकी गई है।

अभियान

नईगढ़ी थाना पुलिस का मैं हूं अभिमन्यु अभियान

महिलाओं प्रति हो रहे अपराध तथा लैंगिक समानता के लिए किया गया जागरूक

लैंगिक समानता दहेज प्रथा अश्लीलता साइबर अपराध और सोशल मीडिया अपराधों के संबंध में जागरूकता बढ़ाने के लिए संवाद

पब्लिक वाणी, नईगढ़ी

महिला सुरक्षा और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने हेतु मऊगंज जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष जागरूकता अभियान मैं हूं अभिमन्यु के अंतर्गत विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों एवं आमजन को जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में मऊगंज पुलिस अधीक्षक रसना ठाकुर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनुराग पांडेय के दिशा निदेशन तथा एसडीओपी



अंकिता सुल्य्या के मार्गदर्शन में पुलिस थाना नईगढ़ी द्वारा ठाकुर सोमेश्वर सिंह शासकीय महाविद्यालय में समूह चर्चा का आयोजन किया गया इसमें विभिन्न प्रकार के अपराधों

और उनके दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। मैं हूं अभिमन्यु अभियान अंतर्गत पुलिस द्वारा बच्चों और युवाओं में लैंगिक समानता दहेज प्रथा अश्लीलता साइबर अपराध

और सोशल मीडिया अपराधों के संबंध में जागरूकता बढ़ाने के लिए संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। लोगों महिलाओं और छोटी बच्चियों के प्रति हो रहे अपराध तथा

450 साल पुराना प्राचीन आस्था केंद्र रानी तालाब मंदिर



नवरात्रि में उमड़ता है श्रद्धालुओं का सैलाब

पब्लिक वाणी, रीवा

शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर जहां पूरे देशभर में देवी मंदिरों और पंडालों में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन होता है, वहीं रीवा जिले के प्राचीन रानी तालाब मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। यह मंदिर, जो मां कालिका को समर्पित है, लगभग 450 वर्षों से भी अधिक पुराना है और रीवा की धार्मिक पहचान का अभिन्न हिस्सा है। नवरात्रि के दौरान, सुबह से ही यहां भक्तों की लंबी कतारें देवी माँ के दर्शन के लिए लग जाती हैं। फूल-माला, सिंदूर और धूप से मंदिर का पूरा वातावरण भक्तिमय हो जाता है। रानी तालाब मंदिर को इसकी ऐतिहासिकता और धार्मिक महत्व के कारण भक्तों के बीच विशेष मान्यता प्राप्त है। पहले इसका संचालन रीवा के राजघराने द्वारा किया जाता था, लेकिन अब यह भारत सरकार के अधीन है।

इतिहास की गहराई में रानी तालाब का उद्भव

रानी तालाब मंदिर के नाम और अस्तित्व से जुड़ी एक रोचक कथा है। बताया जाता है कि कई वर्ष पूर्व, यहां लवाना जाति के लोगों द्वारा एक विशाल तालाब का निर्माण किया गया था। रीवा की महारानी कुंदन कुंवरि रक्षा बंधन के अवसर पर पूजा करने यहां आई थीं। प्रसन्न होकर उन्होंने लवाना जाति के लोगों को रक्षा सूत्र बांधा। कुत्सलता स्वरूप, लवाना लोगों ने यह तालाब महारानी को भेंट कर दिया। तभी से इसे रानी तालाब के नाम से जाना जाता है। मंदिर में स्थित मां कालिका की मूर्ति की स्थापना भी अपने आप में अमूर्त्य घटना है। कहा जाता है कि राजा प्राज्ञ देव के शासनकाल में लवाना जाति के लोग मां कालिका की मूर्ति को अपने साथ ले जा रहे

अष्टमी के दिन होता है मां कालिका का स्वर्ण श्रृंगार

यह मंदिर केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक धरोहर के रूप में भी महत्वपूर्ण है। रीवा राजघराने की परंपरा के तहत, मां कालिका की मूर्ति को विशेष रूप से अष्टमी और नवमी के दिन स्वर्ण आभूषणों से सजाया जाता है। आज भी, यह मंदिर रीवा की सबसे चर्चित धार्मिक स्थलों में से एक है, जहां श्रद्धालु अपनी मनोकामनाओं को लेकर आते हैं और देवी माँ की कृपा प्राप्त करते हैं। हर साल नवरात्रि के नौ दिनों में यहां विशेष पूजा-अर्चना की जाती है, जिसमें स्थानीय और दूर-दराज के भक्त शामिल होते हैं। मां कालिका के दरबार में सुबह होते ही भक्तों का तांता लगना शुरू हो जाता है। कहा जाता है कि इस मंदिर के चारों ओर कहीं भी बैटकर ध्यान करने से भक्तों की मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है। मंदिर के परिसर में नवरात्रि के दौरान मेला भी लगता है, जो श्रद्धालुओं और आगंतुकों के लिए आकर्षण का केंद्र होता है। यहां की दिव्यात और आस्था की शक्ति ने इसे न केवल धार्मिक दृष्टि से, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से भी एक महत्वपूर्ण स्थल बना दिया है।

थे। देवी माँ ने संकेत दिया कि जहां उन्हें स्थापित कर दिया जाएगा, वहां से वे फिर कभी नहीं उठेंगी। बाद में जब मूर्ति को उठाने की कोशिश की गई, तो यह असंभव हो गया, और अंततः मूर्ति को वहीं छोड़ दिया गया। इसके बाद, राजघराने द्वारा उसी स्थान पर मंदिर का निर्माण कर मां कालिका की मूर्ति को विधिवत स्थापित किया गया।

टुक की टक्कर से पिता की मौत, दो मासूम बेटियां घायल

जिले के गुड थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है, गुड कस्बे के समीप एक गैस एजेंसी के सामने मंगलवार सुबह एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार पिता और उसकी दो मासूम बेटियों को टक्कर मार दी। हादसे में पिता की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दोनों बेटियां गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायलों को तत्काल रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है,मिली जानकारी के अनुसार, गुड थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चुगाही निवासी सुरेंद्र गुप्ता अपनी ससुराल रायपुर कर्जुलियान से वापस अपने गांव लौट रहे थे। उनके साथ उनकी



दो बेटियां-नव्या (10 वर्ष) और नैना (7 वर्ष)-भी बाइक पर सवार थीं। मंगलवार की सुबह, जैसे ही गुड कस्बे के समीप स्थित एक गैस एजेंसी के सामने पहुंचे, तभी एक तेज गति से आ रहे ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, हादसा इतना भीषण था कि सुरेंद्र गुप्ता की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। ट्रक की टक्कर से दोनों मासूम बेटियां गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा

हो गई, जिन्होंने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की और दुर्घटना कारित करने वाले ट्रक को कुब्जे में ले लिया वहीं चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है, फिलहाल, पुलिस घटना की जांच कर रही है और दुर्घटना के अन्य कारणों की भी पड़ताल की जा रही है।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़ : दुखद हादसे के बाद परिवार पर गमों का पहाड़ टूट पड़ा है। सुरेंद्र गुप्ता की मौत ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। वहीं, दोनों बच्चियों की हालत भी नाजुक बताई जा रही है, जिन्हें संजय गांधी अस्पताल के डॉक्टरों द्वारा गहन उपचार दिया जा रहा है।



लैंगिक समानता के लिए जागरूक किया गया। इस दौरान पुलिस द्वारा धार्मिक स्थल पंडाल बाजार कॉलोनी और छात्रावास में पोस्टर चिपका और पंपलेट लगाया गया। नईगढ़ी थाना पुलिस द्वारा शासकीय महाविद्यालय नईगढ़ी में आयोजित मैं

हूं अभिमन्यु जागरूकता अभियान के दौरान थाना प्रभारी नईगढ़ी एसके द्विवेदी एवं पुलिस कर्मचारी तथा महाविद्यालय के प्राचार्य अन्य प्राध्यापक तथा कर्मचारी और महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

साल 2004 के नियमों को खत्म नहीं किया
तो तकनीकी शिक्षा में पड़ जाएगा सूखा

पब्लिक वाणी, भोपाल

प्रेक्षा में पांच इंजीनियरिंग कालेज और 67 पालीटेक्निक कालेज संचालित हो रहे हैं। यह सभी कालेज नियमित प्रचार नहीं, बल्कि प्रभारी प्राचार्यों के भरोसे चल रहे हैं। इम्प्लीमेंटेशन में प्राचार्यों की भरपाई करने प्रोफेसर और लेक्चरर पर भरोसा जता रहा था। इसके चलते शासन ने पांच-पांच साल के लिए प्रोफेसर और लेक्चरर को इंजीनियरिंग कालेज और पालीटेक्निक में प्राचार्य नियुक्त करने का आदेश भी जारी किया, लेकिन विभाग भरतियां नहीं कर सका। होले दर साल प्रोफेसर और लेक्चरर रिटायर हो जा रहे हैं। ऐसी ही स्थिति रही, तो आने वाले कुछ समय में तकनीकी शिक्षा विभाग में सूखा पड़ा जाएगा।

इजीनियरिंग कालेज और पालीटेक्निक में दो प्रकार के प्रोफेसर और लेक्चरर पदस्थ हैं। इसमें 2004 के भर्ती नियम और शासन की भर्ती नियमों से एम्पीपिएससी से नियुक्तियों की गई हैं। 2004 की भर्तियों सोसायटी के पदों के तहत की गई हैं, जबकि इसके पहले की भर्ती शासन के भर्ती नियमों से की गई हैं। नियमों में मतभेद होने के कारण तकनीकी शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह से हासिए पर आ चुकी है। स्थिति विभाग प्रोफेसर और लेक्चरर के स्थानांतरण तक नहीं कर पाता है। इसके चलते उन्हें पदोन्नत नहीं किया जा सकता है। शासन



ने प्रभारी प्राचार्यों को हटाकर नियमित प्राचार्यों करने के लिये गजट नोटिफिकेशन जारी किया था। विभाग का यह फार्मूला फेल हो चुका है। क्योंकि विभाग आदेश निकालने के बाद भी प्राचार्यों की नियुक्ति नहीं कर सका है। विभाग के आदेश के मुताबिक प्रोफेसर को इंजिनियरिंग कालेज में प्राचार्य और लेक्चरर को पांच साल के लिए पालीटेक्निक में प्राचार्य नियुक्त किया जाना था। शासन पालीटेक्निक और इंजीनियरिंग कालेजों की सोसायटी भंग कर उन्हें शासन में मर्ज करने की तैयारी कर रहा है। विभाग के दो साल से यह प्रयास विफल हो रहे

पालीटेक्निक की वर्तमान स्थिति	
लेक्चरर के कुल पद	1717
रिक्त	1000
लेक्चरर	760
एचओडी	48
प्राचार्य	09

शासकीय संवर्ग के प्रोफेसर और लेक्चरर को प्राचार्य की नियुक्ति करने आवेदन जमा कराएगा। इसमें एजीपी और वरिष्ठता के आधार पर प्राचार्यों की नियुक्ति की जाएगी।

यह प्राचाय हैं पदस्थः प्रदेश के 67
पालीटोवनक न महज नौ प्राचायों की नन्युक्त
है। पछले साल तील प्राचाय रीटायर हो चुके हैं।
आने वाले दो सालों न आधा दर्जन प्राचाय और
रीटायर हो जाएँगे। वर्तमान न भोपाल के एसवी
पालीटोवनक और महिला पालीटोवनक न केबी
राव, त्रिलोक कुमार श्रीवास्तव दमोह, बीपी गुप्त
महिला पालीटोवनक जबलपुर, आशीष डोगे
इंदौर, आरएन तिवारी शिवपुर, एससी डाक
संचालनालय, आरपी वामनकर जावरा, एससी
गुमा डबरा और आरके परवा मंडल
पालीटोवनक न पदस्थ हैं।

जहर खाने से
नाबालिग समेत दो
व्यक्तियों की मौत

पब्लिक वाणी, भोपाल। जहरीला पदार्थ खाने से नाबालिग समेत दो व्यक्ति को भी मौत हो गई।
पिपलांनी और जहांगीराबाद थाना क्षेत्र की है। नाबालिग ने चार महीने पहले एसिड पी लिया था। जिससे वजन उसके बयान नहीं हो पाने के कारण अभी तक सफ नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव पीएम के लिए भेज दिया है। पिपलांनी थाना पुलिस के अनुसार आनंद नगर निवासी निखिल साहू पिता शिवनारायण साहू उम्र 16 साल की मौत हो गई है। उसने जून में एसिड पी लिया था। उसका कुछ दिन प्रायदेव अस्पताल में इलाज चला था। उसके बाद परिजन एम्स अस्पताल ले गए थे। इलाज के दौरान मंगलवार सुबह दब बजे उसकी मौत हो गई। इसी तरह जहांगीराबाद थाना क्षेत्र स्थित चिकलोद रोड निवासी अर्सलान पिता मोहम्मद राजा उम्र 18 साल की मौत हो गई है। उसने 02 अक्टूबर को जहरीला पदार्थ खाया था। उसका इलाज हमीदिया अस्पताल में चल रहा था। इलाज के दौरान मंगलवार दोपहर एक बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि अभी परिजनों के बयान नहीं हो पाए हैं। इसलिए अभी मौत का कारण पता नहीं लगा है।

अंतर्राज्यीय गिरोह का एक आरोपी गिरफ्तार

अवैध हथियार के कारोबार से जुड़ा है गिरोह

पब्लिक वाणी, भोपाल

मध्यप्रदेश के आतंकवाद निरोधी दस्ता (एएमपी एटीएस) ने अवैध हथियारों के कारोबार से जुड़े आरोपों को बढ़वानी से गिरफ्तार किया है। आरोपी से दो पिस्टल और सैकड़ों बैरल बरामद की गई हैं। मध्यप्रदेश एटीएस ने आगरा-मुंबई रेलवे इंटीर से अश्वथ आर्यम नामांन एवं विक्रय करने वाले में नेपाल सिंह पुत्र बल्लम सिंह टिकराना (33) तलासी राजपुत उन्डीखोदरी पलमुडुल नवसीस राजपुत थाना पलमुडुल बड़वानी को हिरासत में लिया था। उसकी संदिग्ध गतिविधियों के चलते लेकर उसके कब्जे से दो देसी पिस्टल मय मैग्नीन तथा 200 अधिक बैरल एवं शटर नली बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। आरोपी ने प्रार्थना पृथुताछ में पुलिस को बताया कि उक्त पिस्टल व बैरल विक्रय करने की नीयत से सूत (गुजरात) से मंगाई थी। नेपाल सिकलीग समुदाय से हैं तओर वैध हथियारों के नामांन और अंतर्राज्यीय तस्कर गिरोह से जुड़ हुआ है। एटीएस द्वारा मामले के सभी



पहलुओं की गहनता से जांच करके हट्ट उक्त नेटवर्क से जुड़े कारोबार का काम करने वाले, लॉजिस्टिक संगठन प्रदान करने वाले तथा बैरल एवं अन्य सामग्री उपलब्ध कराने वाले लोगों का पता लगाया जा रहा है। नेपाल से पृष्ठताछ के जरिए अवैध हथियारों के निर्माण के कारोबार के अंतर्राज्यीय नेटवर्क से जुड़े व्यक्तियों तथा ऐसे संगठित गैरहों को लॉजिस्टिक संगठन, अवैध हथियार निर्माण में उपयोग होने वाली सामग्री, कल-पुंजे, बैरल आदि उपलब्ध कराने वाले व्यक्तियों, राज्य एवं राज्य के बाहर क्रय/विक्रय करने वाले संगठित आपराधिक गैरहों की भी गहनता से जांच की जाएगी।

महिला आईएस के नौकर की मौत

पब्लिक वाणी, भोपाल।

माला आईएसएस के यहाँ सफ्ट क्वार्टर में रहने वाले एक कर्मचारी की मौत हो गई है। मामले में शुरूआती जांच कमला नगर थाना पुलिस ने लेकिन, घटना स्थल हबीबगंज थाना क्षेत्र के चलोते केस डायरी वहां भेजी जा रही है। पुलिस को प्रार्थमिक जांच में पता चला है कि मृतक की बीमारी से ग्रसित था। कमला नगर थाना पुलिस के अनुसार जितेंद्र यादव पिता दिनेश यादव उस साल की मौत हो गई है। वह मृतक: कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित नेहरू नगर में रहता था। फिलहाल हबीबगंज स्थित चार इमली में आईएसएस के बं में काम करते हुए वहां रहता था। उसकी मंगल रात आठ बजे तबीयत खराब हुई थी। उसको इलाज के लिए पत्नी जेजी अस्तपाल ले गई। यहां करने के बाद पत्नी से घर का पता पूछकर काम नगर थाना पुलिस को मौत होने की जानकारी दी। जांच करने पुलिस पहुंची तो पता चला जितेंद्र यादव चार इमली में किसी महिला आईएसएस अधिकारी के यहां काम करती हैं। मामले प्रार्थमिक जांच एसएसआई रवेन्द्र सिंह ने की थी।

युवती की संदिग्ध मौत

ज्योती दस्त के बाद एक पुवती की सन्दिग्ध परिस्थितियाँ में मौत हो गई है। यह घटना जहांगीराबाद जिला क्षेत्र की है। परिजन इलाज के लिए शांकर अलौ गैस राहत अस्पताल ले गए थे। जहांगीराबाद जिला पुलिस के अनुसार सोफिया मोहम्मद पिता ज़वेर उम्र 18 साल की मौत हो गई। वह जहांगीराबाद स्थित बख्खेड़ी में रहती थी। पिता मजदूरी करता है। पुलिस ने बताया कि उसे मंगलवार सुबह सात बजे ज्योती दस्त हुए थे। इलाज के दौरान दोपहर बाहिर बह मौत हो गई। इस मामले की जांच एसआई शेरोमान सिंह कर रहे हैं।

खुले मकान से एक लाख की चोरी

मिसरोदर थांना क्षेत्र स्थित दाशिग नगर में खुले मकान से करीब एक लाख रुपए का मौल्य चीला गया है। अभी तक पुलिस को इस मामले में कोई सुराग नहीं मिलाल है। इस बात की पुष्टि देवेन्द्र सिंह तोरण ने थाने में दर्ज कराई थी। उन्होंने 28 सितंबर को आवेदन दिया था। इसके बाद उनके परिवार में गंभी होने के चलते वे ग्वांलियर चले गए थे। वहां से लौटकर थाने पहुंचते तो पुलिस ने मंगलवार रात प्रकरण और कर लिया। पुलिस का कहना है कि आरोपी सोने के जेकराट और कीमती घडयां ले गया है।

कार पलटने से एक की मौत, 4 घायल

गांजा तस्करी मामले में जमानत के लिए गए थे महाराष्ट्र, सभी राजस्थान निवासी

पब्लिक वाणी, बैतूल

मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में एकदम दर्दनाक हादसा हो गया। जहाँ एक कार अनियंत्रित होकर पलट गई। इस घटना में एक की मौत हो गई। जबकि चार लोग घायल बताए जा रहे हैं। यह सभी राजस्थान के निवासी हैं। बताया जा रहा है कि गांजा तस्करी मामले में उन अपने दो साथियों की जमानत के लिए महाराष्ट्र गए थे। लौटते समयय हादसे का शिकार हो गए। यह पूरे प्रदेश घटना बैतूल बाजार थाना क्षेत्र की मिली जानकारी के मुताबिक, गांजा तस्करी के जमानत के अपने साथियोंो जमानत के लिए राजस्थान न्याय निवासी पांच लोग महाराष्ट्र गए थे। यह सभी महाराष्ट्र के गाँविया से राजस्थान के लिए वापस लौट रहे थे इस दौरान मध्य प्रदेश के बैतूल जिले



में सापना डैम के पास उनकी कार अनियंत्रित होकर पलट गई।

कार पलटने से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर

पहुँची और मुआयना किया। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। वहीं घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल बाजार थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घायलों से पृष्ठताछ में जुटी हुई है।

सुविधा

तलाक के बाद भी पति बना रहा था पूर्व पत्नी से संबंध

पब्लिक वाणी, भोपाल। विदिशा की एक युवती के साथ ज़्यादाती की गई है। वादादत अशोका गार्डन थाना क्षेत्र में हुई है। पीड़िता तलाक़शुदा महिला है। उसकी शादी पति गैजेट में तलाक़शुदा आरोपी के साथ ही कराई थी। शरीर के परिधानों के बावजूद ससुराल वालों ने पति पत्नी को घर से अलग कर दिया। उसके बाद पति ने उस मकान में आना भी बंद कर दिया था। जिस कारण वह दोबारा तलाक़ लेने के लिए कोर्ट पहुंची थी। पुलिस के अनुसार पीड़िता की उम्र 31 साल है। उसके पहले पति से तलाक़ होने के बाद उसने दूसरा निकाह किया था। आरोपी एक आरो कर्मी के लिए दूआन बेचने के लिए ब्रोकरी का काम करता था। पति-पत्नी के बीच चल रहे प्रकरण के दौरान आरोपी 27 सितंबर से 02 अक्टूबर के बीच कई बार आकर धमकाते हुए उसके साथ ज़्यादाती करता रहा। इससे पहले ही महिला तब उसने आरोपी को संपर्क ही नहीं रहा। पीड़िता को कंपनी में प्रायवेट जॉब करती है। यहां अशोका गार्डन इलाक़े में किराए से रहती है। उसने घटनाक्रम एक अधिवक्ता को बताया जिसके बाद वह रिपोर्ट दर्ज कराने थाने पहुंची थी। थाने में महिला अधिकांरी नहीं होने के कारण प्रंगलवारा थाने में तैनात एसआर कमला चक्रवर्ती को प्रकरण दर्ज करने के लिए बुलाया गया।

पब्लिक वाणी, भोपाल

जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह की पहल पर जनजातीय कार्य विभाग द्वारा विभिन्न विभागीय योजनाओं के जरिए जनजातीय विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास एवं कल्याण के लिए उल्लेखनीय कदम उठाए जा रहे हैं। विभाग द्वारा जनजातीय विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति, आवास किराया सहायता, परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण एवं सचिवल सेवाओं में भर्ती के लिए निःशुल्क कोचिंग सहित परीक्षा में सफल होने पर प्रोत्साहन राशि भी दी जा रही है।

जनजातीय कार्य विभाग की कक्षा पहली से आठवीं तक प्री-मैट्रिक राज्य छात्रवृत्ति योजना में वर्ष 2023-24 में 17 लाख 36 हजार 14 विद्यार्थियों को 56 करोड़ 59 लाख रुपए छात्रवृत्ति दी गई। वित्त वर्ष 2024-25 में 19 लाख विद्यार्थियों को लाभान्वित करने का लक्ष्य तय किया गया है। कक्षा 9वीं और 10वीं के

प्रवर्तित प्रौ-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना में वर्ष 2023-24 में 1 लाख 51 हजार 292 विद्यार्थियों को 52 करोड़ 15 लाख रुपए की छात्रवृत्ति दी गई। जारी वित्त वर्ष में करीब 2.50 लाख विद्यार्थियों को लाभान्वित करने का लक्ष्य निर्धारित है। इसी प्रकार कक्षा 11वीं, 12वीं एवं महाविद्यालय में पढ़ रहे कुल 2 लाख 33 हजार 91 विद्यार्थियों को 356 करोड़ 95 लाख रुपए छात्रवृत्ति वितरित की गई। वित्त वर्ष 2023-24 में करीब 2.50 लाख विद्यार्थियों को लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को विद्यार्थियों के बैंक खाते में सीधे जमा करके डिजिटल हस्ताक्षर की जाति है।

जनजातीय विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास की ओर सरकार के बढ़ते कदम

विद्यार्थियों को आवास किराया व कोचिंग का मिल रहा लाभ



विदेश अध्ययन के लिए प्रदान की गई छात्रवृत्ति: अजंजा विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना में विभाग द्वारा प्रति वर्ष 50 विद्यार्थियों को इस योजना से लाभांशित करने का लक्ष्य रखा गया है। वित्त वर्ष 2023-24 में 10 होनहार विद्यार्थियों को 2 करोड़ 89 लाख रुपए की विदेशीय में उच्च शिक्षा अध्ययन के लिए पात्रतानुसार

लाख विद्यार्थियों को इस योजना का लाभ देने का लक्ष्य रखा गया है। इसी प्रकार सिविल सेवा परीक्षा के लिए निजी संस्थाओं द्वारा कोचिंग योजना में विभाग द्वारा वर्ष 2023-24 में 2 करोड़ 13 लाख रुपए व्यय कर 97 विद्यार्थियों को कोचिंग कराई गई। इस योजना में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी

के लिए निजी कोचिंग संस्थाओं के जरिए जनजातीय विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जाता है। वर्तमान वित्त वर्ष में करीब 100 विद्यार्थियों को इस योजना से लाभान्वित करने का लक्ष्य तय किया गया है।

निम्नलिखित सेवा प्रोत्साहन योजना में 2023-24 में एक करोड़ से 497 अभ्यर्थियों को लाभ प्रदान किया गया। इस योजना में मूल प्रत्येक सेवा आयोगों की निम्नलिखित सेवा परीक्षाओं के सभी सफल अभ्यर्थियों को लाभान्वित किया जाता है। वर्ष 2024-25 में भी सभी पात्र अभ्यर्थियों को इस योजना का लाभ दिया जाएगा। परीक्षा पूर्व निम्नलिखित योजना में जनजातीय विद्यार्थियों को बैंक, रेलवे, एसएससी, पीएससी आदि परीक्षाओं की तैयारी कराई जाती है। योजना में 2023-24 में 18 लाख रुपए से 580 अभ्यर्थियों को लाभान्वित किया गया। वर्ष 2024-25 में 625 अभ्यर्थियों को इस योजना से लाभान्वित करने का लक्ष्य तय किया गया है।